हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 22 जून 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 40 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए: मायावती

एजेंसी

उत्तर प्रदेश :बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इसकी वजह से निर्दोष छात्र पिस रहे हैं।प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पेपर लीक की आड़ में सियासत करना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून को घोषित किये जाने की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम चार जून को ही घोषित दिये गये थे क्योंकि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो गया था।सरकारी और निजी कॉलेजों के एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन देशभर में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरी दुनिया ने किया योग,

भारत ने विश्व को एक सूत्र में बांध कर दिखा दिया

हम आपको बता दें कि यह कार्यक्रम डल झील के किनारे एसकेआईसीसी के खुले मैदान में होना था लेकिन लगातार बारिश के कारण इसे बड़े हॉल में आयोजित किया गया। अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया।

एजेंसी

नई दिल्ली:पूरी दुनिया में आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। दुनिया के छोटे-बड़े देशों के शहरों, गांवों और कस्बों से लेकर पहाड़ी इलाकों और समुद्र में तैरते जहाजों से योग करते लोगों की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि भारत की योग विद्या की पूरी दुनिया कायल है और हर कोई इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर अपना जीवन स्वस्थ बना रहा है। जो लोग योग को एक खास धर्म से जोड़ कर देखते हैं या उसे एक देश की सीमा में बांध कर देखते हैं वह यदि आज की तस्वीरों को देखेंगे तो पाएंगे कि भारत की प्राचीन योग पद्यति को अपने जीवन का महत्वपूर्ण अंग बनाने की होड़ में धर्म, जाति, सीमा और स्त्री-पुरुष का भेद मिट चुका है। योग का अर्थ है जोड़ना और जिस तरह योग ने समूची दुनिया को जोड़ कर रख दिया है उससे यह भी साबित होता है कि भारत में ही पूरी दुनिया को एक सूत्र में बांधने की शक्ति

है।वैसे तो योग दिवस पर आज दुनियाभर में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये परन्तु मुख्य कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित किया गया। इसको संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दुनिया आज योग को वैश्विक भलाई के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में देखती है क्योंकि यह लोगों को अतीत का बोझ उठाए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता है। प्रधानमंत्री ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि योग ने लोगों को यह महसूस कराने में मदद की है कि उनका कल्याण उनके आसपास की दुनिया के कल्याण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, ह्यह्यदुनिया योग को वैश्विक भलाई के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में देख रही है। योग हमें अतीत के बोझ के बिना वर्तमान क्षण में जीने में मदद करता है।ह्ल प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्यजब हमारा चित्त शांत रहता है तब हम दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं... योग समाज में सकारात्मक बदलाव के नए तरीके बना रहा है।हम आपको बता दें कि यह कार्यक्रम डल झील के किनारे एसकेआईसीसी के खुले मैदान में होना था लेकिन लगातार बारिश के कारण इसे बड़े हॉल में आयोजित किया गया। अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और योग के प्रति लोगों का आकर्षण भी लगातार बढ़ रहा है।

पटना के बाद मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर और दरभंगा में भी मेट्रो ट्रेन,

नीतीश कैबिनेट से 22 प्रस्ताव मंजूर

पटना:बिहार में नीतीश कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया। गुरुवार को कैबिनेट मीटिंग के दौरान कुल 22 प्रस्तावों की मंजूरी दी गई है। इसमें फैसला लिया गया कि मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा और भागलपुर में मेट्रो रेल चलेगी। राज्य कैबिनेट ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है।गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने खेल विभाग में 98 समेत विभिन्न विभागों में 545 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इसके साथ ही राज्य के सभी नगर पंचायतों और ग्राम पंचायतों में खेल क्लब का गठन किया जाएगा। पटना में बिहार राज्य आवास बोर्ड की जमीन पर लोक निजी भागीदारी के द्वारा बहुमंजिली इमारतें बनेंगी। 2024-25 में फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को डीजल अनुदान देने के लिए 150 करोड़ स्वीकृत किया गया। कैबिनेट बैठक में कुल 22 प्रस्तावों की मंजूरी दी गई है।बिहार विधानमंडल का सत्र 22 से 26 जुलाई तककैबिनेट की बैठक में बिहार विधानमंडल के मॉनसून सत्र को लेकर सहमति बन गई है। इस बार बिहार विधानमंडल का सत्र 22 से 26 जुलाई तक चलने की बात कही गई है। इस बार के मॉनसून सत्र में कुल पांच बैठकें होंगी। वहीं कैबिनेट की बैठक में राज्य के सभी नगर पंचायत और ग्राम पंचायत में खेल क्लब के गठन को मंजूरी मिल गई है।नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट मीटिंग के दौरान 22 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है। फैसला हुआ है कि मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा और भागलपुर में मेट्रो चलेगी।

आंध्र प्रदेश विधानसभा का सत्र शुरू, नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली

एजेंसी

आंध्र प्रदेश:अमरावती। आंध्र प्रदेश के 16 वीं विधानसभा का पहला सत्र शुक्रवार को नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के साथ शुरू हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अस्थायी अध्यक्ष और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के विधायक जी बुचैया चौधरी ने 172 विधायकों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद अस्थायी अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही शनिवार सुबह साढ़े दस बजे तक के लिए स्थगित कर दी। हालांकि, टीडीपी नेता नारा लोकेश, जन सेना प्रमुख पवन कल्याण और अन्य ने टीडीपी के नरसीपट्टनम विधायक सी अय्यन्नापत्रुडु की ओर से अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। अमरावती के वेलागापुडी स्थित विधानसभा कक्ष में सुबह नौ बज कर 45 मिनट पर सत्र शुरू हुआ।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास की कोशिश होनी चाहिए : प्रियंका गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली:नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भीषण गर्मी और लू के कारण हुई कई मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि विकास इस तरह से होना चाहिए कि पर्यावरण को नुकसान नहीं हो और लोगों की तरक्की भी हो सके। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्यह्यकई राज्यों में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने संबंधी खबरें देखीं। दूसरी तरफ, गर्मी से पूरे देश में मौतें हो रही हैं। बढ़ता तापमान नये रिकॉर्ड बना रहा है। इस बार अप्रैल का महीना

जलवायु के इतिहास में सबसे गर्म अप्रैल के रूप में दर्ज हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन हमें ज्यादा से ज्यादा पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जरूरत है।

विदेश मंत्रालय ने किया साफ, हज यात्र के दौरान कम से कम 98 भारतीय यात्रियों की अब तक जा चुकी है

एजेंसी

नई दिल्ली:भारत से हज यात्रियों की मौत पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने बताया कि इस साल अब तक 175,000 भारतीय तीर्थयात्री हज यात्रा पर गए हैं। अब तब 98 भारतीय तीर्थयात्री हैं जिनकी हज के दौरान मौत हो गई है। उन्होंने विस्तार से बताया कि इस वर्ष हमारे 175,000 भारतीय पहले ही हज पर जा चुके हैं। अब तक हम अपने 98 नागरिकों को खो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये मौतें प्राकृतिक बीमारी, प्राकृतिक कारणों, पुरानी बीमारी और बुढ़ापे के कारण भी हुई हैं। रणधीर जयसवाल ने बताया कि अराफात के

दिन छह भारतीयों की मृत्यु हो गई और चार भारतीयों की मृत्यु दुर्घटनाओं के कारण हुई। पिछले साल हज में मरने वाले भारतीयों का आंकड़ा 187 था। अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय का भी बयान सामने आया है।

अभी जेल में ही रहेंगे अरविंद केजरीवाल, दिल्ली HC ने सुरक्षित रखा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली:अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इसका मतलब है कि आम आदमी पार्टी प्रमुख को अभी जेल में ही रहना होगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतिम निर्णय सुनाए जाने तक जमानत आदेश पर रोक लगा दी, जो सोमवार या मंगलवार तक होने की उम्मीद है। उच्च न्यायालय ने वकील

को सोमवार तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा स्थानीय अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।जस्टिस सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि ईडी की स्थगन अर्जी पर आदेश सुनाने में दो-तीन दिन लगेंगे। अदालत ने आदेश में कहा, इस बीच याचिकाकर्ता और प्रतिवादी सोमवार तक लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

नीट पेपर को रोकने के लिए योगी ने तैयार कर लिया मास्टरप्लान, दोषियों के खिलाफ होगा बुलडोजर वाला एक्शन

एजेंसी

उत्तर प्रदेश:नीट और यूजीसी-नेट जैसी महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर विवादों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार पेपर लीक को रोकने और 'सॉल्वर गिरोह' पर नियंत्रण के लिए एक नया कानून लाने की योजना बना रही है। नए कानून में परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने और सॉल्वर गिरोह चलाने जैसी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए गंभीर दंड शामिल होंगे, जिसमें भारी जुमार्ना, संपत्ति को नष्ट करना और कारावास

शामिल है।योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का फैसला राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा यूजीसी-नेट (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) परीक्षा रद्द करने के तुरंत बाद आया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि परीक्षा का प्रश्नपत्र डार्कनेट पर लीक पाया गया था। इसके अलावा, संदिग्ध अनियमितताओं के लिए ठएएठ की भी जांच की जा रही है। इस स्थिति को देखते हुए, यूपी सरकार ने परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता की सुरक्षा के लिए एक नया कानून लाने की योजना की घोषणा की है।इसके अलावा, सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए एक नई नीति पेश की है।

आज केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से शिष्टाचार मुलाकात कर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दिया।

मुसलमानों से माफी मांगें देवेश चंद्र ठाकुर, सीतामढ़ी सांसद को JDU नेता अशफाक करीम ने नसीहत

एजेंसी

पटना:सीतामढ़ी के नवनिर्वाचित सांसद देवेश चंद्र ठाकुर यादव और मुसलमानों का काम नहीं करने वाले अपने बयान से पीछे हट गए हैं। लेकिन इस पर जारी सियासत बदस्तूर जारी है। पूर्व सांसद अशफाक करीम ने देवेश चंद्र ठाकुर पर मुसलमान समाज को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। कहा कि उन्हें मुस्लिम समाज से माफी मांगनी चाहिए। बयान जारी कर जदयू नेता सह पूर्व सांसद ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर जदयू के वरिष्ठ औ सम्मानित नेता हैं। लेकिन मुस्लिम समाज को लेकर की गई उनकी टिप्पणी पर ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए जिससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचे।अशफाक करीम ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि यह उनका निजी बयान है जिससे नीतीश कुमार ने भी किनारा कर

लिया है। फिर भी उन्हें पब्लिक डोमेन में ऐसा बयान नहीं देना चाहिए जिससे किसी वर्ग के मान सम्मान को ठेस पहुंचे। उन्हेंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों पर जो शब्द कहे हैं वे बिल्कुल गलत हैं। उन्हें पब्लिक डोमेन में माफी मांगना चाहिए। देवेश चंद्र ठाकुर इस बात को वह स्वीकार करें कि उनसे गलती हुई है।अशफाक करीम ने कहा कि जेडीयू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुस्लिम समाज के लिए बहुत काम किया। यह समाज नीतीश कुमार पर भरोसा करता है। ऐसे में देवेश चंद्र ठाकुर का बयान पार्टी के लिए के हित में नहीं होगा। उनके बयान से पार्टी को नुकसान होगा। साथ ही दावा किया मुस्लिम ने बढ़ चढ़ कर एनडीए को वोट दिया। दूसरी जात के लोगों का समर्थन मिला तभी तो जेडीयू को बड़ी कामयाबी मिली। पार्टी ने 16 में से 12 लोकसभा सीटें जीत कर 75 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। इसलिए उन्हें हर हाल में माफी मांगना चाहिए। नीतीश कुमार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते कह दिया है कि देवेश चंद्र ठाकुर ने जो कहा है वह उनकी व्यक्तिगत भावना है।

अशफाक करीम ने कहा कि यह उनका निजी बयान है। फिर भी नहीं बोलना चाहिए क्योंकि इसका असर पार्टी पर पड़ेगा। नीतीश कुमार ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया। देवेश जी को माफी मांग लेना चाहिए।

भाजपा शासन में पेपर लीक राष्ट्रीय त्रासदी: डा0 अखिलेश

पटना:पटना 21 जून, 2024नीट यूजी परीक्षा में हुए व्यापक धांधली के खिलाफ बिहार कांग्रेस के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजनों ने शुक्रवार को राजधानी के इनकम टैक्स गोलम्बर पर इकट्ठा होकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रतियोगिता परीक्षा में हो रही धांधली पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा शासन है वहां-वहां इस तरह की घटनाएं बराबर होती रही हैं। भाजपा शासन में देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था धांधली का शिकार होती जा रही है। पेपर लीक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शिवराज सिंह चैहान की नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश की भाजपा

सरकार में व्यापम घोटाला से इसकी शुरूआत हुई और उत्तर प्रदेश होते हुए यह बिहार पहुँच गई। उत्तर प्रदेश के भाजपा शासन में शायद ही कोई परीक्षा हुई जिसमें पेपर लीक नहीं हुआ या धांधली नहीं हुई। इसीलिए कांग्रेस ने पेपर लीक को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया और अपने मैनिफेस्टो में शामिल किया ।उन्होंने कहा कि दरअसल भाजपा शिक्षा और परीक्षा की अहमियत को समझने में नाकाम रही है। बेरोजगारी के दंश से युवा पहले से अवसाद से ग्रसित हैं और इस तरह के मामले उनको भावनात्मक स्तर पर तोड़ने का काम करती है। डा0 सिंह ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और उनके भविष्य से खिलवाड़ करने का अर्थ है देश को गर्त में ढकेलना। सालो भर बच्चे दिन-रात मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करते हैं। और पता चलता है कि शिक्षा माफिया सरकार के संरक्षण से पेपर लीक कर देता है। ये घिनौना खेल है जो बच्चों की जिन्दगी को त्रासद बनाता है। नेशनल टेस्टींग एजेन्सी मजाक का केन्द्र बनता जा रहा है। क्योंकि इस तरह की घटना पहली नहीं है। पेपर लीक एक राष्ट्रीय त्रासदी बनता जा रहा है। इसकी गहन जाँच होनी चाहिए और पूरी व्यवस्था की बुनियादी ढाँचे को दुरूस्त करने की जरूरत है।

चिराग पासवान का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं

संवाददाता

पटना:केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि योग भारत की एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत है, जो हमारी भारतीय सभ्यता में सदियों से चली आ रही है। योग जहां हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, वही हमारे अंतर्मन को शांत एवं स्थिर रखता है। प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयासों से 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया और योग को विश्व स्तरीय एक नई पहचान मिली। योग की

आज केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड़ से औपचारिक मुलाकात कर मंत्रालय से जुड़ी जन कल्याणकारी योजनाओं को साझा किया।

इस व्यापक स्वरूप को बढ़ाने के लिए ही हमारे प्रधानमंत्री जी के निरंतर प्रयासों से आज पूरा विश्व हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के अमूल्य ने योग को अपना रहा है।आईये इस दिवस को हम सभी मिलकर मनाए एवं अपने परिवार और समाज को स्वस्थ जीवन की ओर ले जाने के लिए प्रण लें ताकि विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सके।इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दिया।

उप विकास आयुक्त, प्रियंका रानी द्वारा आज लघु जल संसाधन विभाग द्वारा जिला में संचालित राजकीय नलकूपों के क्रियान्वयन की निम्नवत समीक्षा की गई

संवाददाता

शकील हैदर,

सारण, छपरा, संवादाता,21 जून, 2024

1. कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, छपरा, सारण को रोस्टर निर्धारित करते हुए संबंधित सहायक एवम कनीय अभियंताओं से सभी बंद राजकीय नलकूपों की अधतन भौतिक स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया गया।

2. साथ ही निदेशित किया गया कि राजकीय नलकूपों की मरम्मति हेतु प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय किस्त के रूप में ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित राशि के विरुद्ध लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश मुखिया एवं पंचायत सचिव को दिया गया । साथ ही निर्देशित किया गया कि यदि एक सप्ताह के अंदर वांछित उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया जाता हैं तो उनको नोटिस निर्गत किया जाए ।3. समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लघु सिंचाई प्रमंडल, छपरा, सारण अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण नहीं होने के कारण कुल 23 राजकीय नलकूप बंद हैं। इस संबध में कार्यपालक अभियंता विद्युत पूर्वी/पश्चिमी को उक्त नलकूपों को बाह्य विद्युतीकरण कार्य एक सप्ताह के अंदर पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

4. भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए बंद पड़े सभी राजकीय नलकूपों को चालू कराने का निर्देश संबंधित मुखिया एवं पंचायत सचिव को दिया गया ।बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सारण, सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सारण, कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, छपरा, सारण/ कार्यपालक अभियंता, विधुत, पूर्वी एवं पश्चिमी तथा सभी सहायक अभियंता एवं कनीय अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, छपरा, सारण उपस्थित थे।

ए आइएम आइएम के बिहार प्रदेश सचिव मोहम्मद फजले हक ने भाजपा के पूर्व अल्पसंख्यक अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप,

संवाददाता

पटना:एआइएमआइएम के बिहार प्रदेश सचिव मोहम्मद फजले हक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तुफैल खान कादरी फरर के दलाल हैं, आगे उन्होंने कहा कि यह तो बाबा आदम के जमाने से आ रहा है कि अपने ही अपनों का कत्ल करते हैं इसी प्रकार से एक अल्पसंख्यक मुसलमान होते हुए मौलाना तुफैल खान कादरी संघ के चाटुकारता करते हैं और मुसलमान के खिलाफ हमेशा उनका बयान आता रहता है तुफैल खान कादरी सिर्फ और सिर्फ नाम के लिए मुसलमान हैं वह एक कौम के गद्दारों में से हैं, श्री फजले हक ने कहा कि देश में मुसलमान की आवाज सिर्फ बलिस्टर असदुद्दीन ओवैसी उठाते हैं और मुसलमान की तरक्की की बात करते हैं और बिहार में पार्टी के अध्यक्ष अख्तरुल इमान साहब हमेशा सदन में हक की लड़ाई के लिए आगे रहते हैं लेकिन इसी कौम के अंदर तुफैल खान कादरी भी रहते हैं जो हमेशा मुसलमान के विरुद्ध आग जलाने का काम करते हैं,

मधुबनी,जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में परिवादियों से उप विकास आयुक्त एवं अपर समाहर्ता ने मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना

संवाददाता

अबु बकर

मधुबनी जनता के दरबार मे जिलाधिकारी" कार्यक्रम में परिवादियों से उप विकास आयुक्त एवं अपर समाहर्ता ने मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने हेतु दिए निदेश ।मधुबनी : उप-विकास आयुक्त, दीपेश कुमार तथा अपर समाहर्ता, शैलेश कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित जिला पदाधिकारी कक्ष में जिले भर से आए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने का निदेश भी दिया। बताते चलें कि प्रत्येक सप्ताह के शुक्रवार को जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी या प्रभारी जिला पदाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते है और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निदेश भी देते है। इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 73 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे। बाबूबरही प्रखंड के बेलदरही निवासी देवेंद्र प्रसाद के द्वारा कुछ लोगों द्वारा बलपूर्वक उनके निजी जमीन पर बनते हुए घर को रोके जाने की शिकायत की गई। बेनीपट्टी प्रखंड के मुरेठ वार्ड नं.04 निवासी मो. फहीम ने घनी आवादी में मल्टी फॉर्म खोले जाने से पर्यावरण को दूषित करने के संबंध में शिकायत की गई। मधवापुर प्रखंड के उत्तरा पंचायत के केंद्र संख्या 23 की आंगनवाड़ी सेविका, संगीता कुमारी के द्वारा प्रशिक्षण के उपरांत सितंबर 2022 से लगभग 07 माह के बकाया मानदेय के भुगतान के संबंध में शिकायत की गई। कलुआही प्रखंड के कालिकापुर निवासी भगलू झा के द्वारा निजी जमीन को घेरने के क्रम में गाली-गलौज एवं जान-माल के खतरा को देखते हुए सुरक्षा बल की उपस्थिति में जमीन का मापी कराकर घेरवाने की शिकायत की गई है। बाबूबरही प्रखंड के सतघारा निवासी दिलीप कुमार झा ने संजय सिंह के राशन कार्ड में उसका नाम जुड़ जाने तथा मधुबनी जिला में राशन कार्ड नहीं बनने की शिकायत की गई है बिस्फी प्रखंड के धजवा निवासी महेंद्र यादव ने नूरचक मौजा के थाना नं. 170, खाता नं. 849 पुराना खेसरा 5376 गैर मजरुआ खास जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की शिकायत की गई है।

रविंद्र कुमार ठाकुर के द्वारा बिस्फी थाना कांड संख्या-59/2024 में पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किये जाने की शिकायत की गई है। लौकही अंचल के लदनियां निवासी मोतीलाल साहू ने लौकही अंचल स्थित मौजा कलुआही में थाना नं. 46 में सरकारी सड़क खेसरा नं 406 पुराना, 420 पुराना एवं खेसरा नं. 550 पुराना को अतिक्रमणकारियों के द्वारा आंशिक एवं पूर्णरूप से कब्जा कर लेने एवं इसे मुक्त करने कराने की शिकायत की गई है।अंधराठाढ़ी प्रखंड के मदनपट्टी निवासी नागेश्वर यादव एवं अन्य ग्रामीणों ने सामूहिक आवेदन देकर गांव के बीच से होकर गुजरने वाली सुगरबे नदी पर बन रहे तटबंध एवं स्लुईश गेट को बनने से रोकने की शिकायत की गई है।

मधुबनी में पाँच प्रखंड पंडौल, राजनगर, बिस्फी, बेनीपट्टी एवं मधेपुर के किसान चौपाल का किया गया आयोजन

संवाददाता

अबु बकर

मधुबनी :जिले के पाँच प्रखंड पंडौल, राजनगर, बिस्फी, बेनीपट्टी एवं मधेपुर के 10 पंचायतों में किसान चौपाल का हुआ आयोजन

मधुबनी : कृषि विभाग, बिहार सरकार से प्राप्त निदेश के आलोक में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण(आत्मा), मधुबनी के द्वारा दिनांक 21.06.2024(शुक्रवार) को जिले के पाँच प्रखंडों यथा पंडौल, राजनगर, बिस्फी, बेनीपट्टी एवं मधेपुर के 10 पंचायतों में किसान चौपाल का आयोजन किया गया।*ज्ञात हो कि खरीफ किसान चौपाल में उपस्थित किसानों को प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं

किसान सलाहकार के माध्यम से कृषि एवं कृषि से संबद्ध विभागों द्वारा संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ विभिन्न फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी जाँच के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग, फफूँदनाशी एवं कीटनाशी से बीजोपचार, सिंचाई के लिए जल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण एवं समेकित कीट तथा पोषक तत्व प्रबंधन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। किसान चौपाल के माध्यम से मोटे अनाज एवं मक्का की कलस्टर में खेती करने वाले किसानों को तकनीकी जानकारी के साथ-साथ विपणन के संबंध में जानकारी दी गई। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में स्वयं आवेदन करने से संबंधित जानकारी के साथ-साथ कृषि यांत्रिकरण एवं उद्यान निदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया। प्रखंडों में आयोजित किसान चौपाल में विभिन्न पंचायतों में माननीय जनप्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता दी। प्रखंडों में पदस्थापित आत्मा के प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक के द्वारा आत्मा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई।

स्कूली छात्र ,छात्रा भी योग दिवस पर शिक्षको के साथ योगा का अभ्यास किए

संवाददाता

मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 21 जुन शुक्रवार। योग दिवस के मौके पर स्कूलों में भी छात्रों ने योग दिवस पर योग अभ्यास करने का संकल्प अपने अपने गुरुजनों से ली। वही प्रखंड के विभिन्न स्कूलों , उत्कर्मित मध्य विद्यालय रामसापुर, उत्कर्मित मध्य विद्यालय गोबिंदपुर, नया प्राथमिक विद्यालय लोपर, नया प्राथमिक विद्यालय साधपुर, नया प्राथमिक विद्यालय घूरा सती इत्यादि,मे योग दिवस पर योगा अभ्यास छात्रों को करते देखा गया। छात्रों को,, करें योग रहे नीरोग,,, के तर्ज पर उच्च माध्यमिक विद्यालय सवान विग्रह मे शारीरिक शिक्षक श्री केशव कुमार गिरि के द्वारा योगा करने से किस बीमारी मे कौन से योगा कारगर साबित होता है ये छात्रों को बतलाया गया। जिसमे ओम बिलोम, कपाल भांति, कदम ताल इत्यादि करवाया गया। इस मौके पर, प्रधाना ध्यापीका दीपिका कुमारी, जागृति, अजमेरी खातून,दुर्गेश कुमार, दूधनाथ साह, राकेश रंजन,धीरज यादव , गुंजन कुमार, कन्हैया सिंह,मोहम्मद चुन्नू, अंशिता सिंह, रानी कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका मौर्या , रसोईया बीरेंद्र पाण्डेय, पिंकी देवी, रुकसाना आदि ने भाग लिए।

ओबीसी, एससी, एसटी 65% आरक्षण पटना हाई कोर्ट के खत्म करने पर विरोध मार्च

संवाददाता

मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज दुरौंधा 21 जून शुक्रवार। बिहार मे सरकार ने जाति आधारित जनगणना कर 65% आरक्षण तो लागु कर दिया था। लेकिन पटना हाई कोर्ट ने एक दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए 20 जून को ओबीसी, एससी, एसटी 65% आरक्षण समाप्त कर दिया। और पूर्व मे जो आरक्षण था उसी को यथावत रखा ।जिसे सीपीआईएमएल ने बिहार मे विरोध करना शुरू कर दिया है। जिसका विरोध मार्च दिनांक,23 जून को सीपीआईएमएल इंकलाबी नौजवान सभा के सिवान जिला सचिव श्री जय शंकर पणित के नेतृत्व मे पार्टी के दिशा निर्देश पर दुरौंधा मे विरोध मार्च करने का फैसला लिया गया है।

जाली मतों का प्रयोग करने के बाद भी चुनाव नहीं जीती हीना सहाब,

विशेष संवाददाता

हुसैनगंज :सिवान लोकसभा चुनाव बीते कुछ दिन पहले हुआ था जिसमें बाहुबली भूतपूर्व सांसद डॉक्टर मोहम्मद शहाबुद्दीन की धर्म पत्नी हिना सहाब निर्दलीय चुनाव मैदान में थी जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से हिना सहाब ने जीत हासिल किया था सूत्रों के हवाले से मिली खबरों के अनुसार वह इस प्रकार से रघुनाथपुर विधानसभा में आगे थी कि रघुनाथपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में जितने भी अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज का गांव टोला मोहल्ला है उन सभी गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर अपने मत का प्रयोग किया था, गुप्त सूचना के अनुसार यह बताया गया है कि जो भी मुसलमान विदेश में या सिवान से बाहर रोजी-रोटी कमाने हेतु बाहर रहते हैं उनके नाम का भी वोट हिना साहब के पक्ष में डालकर मुसलमान ने अपनी जीत का डंका बजा रहे थे परंतु ऐसा हुआ नहीं भगवान तो सबके हैं ऊपर वाले यह कार्य देख रहे थे की जाली काम कौन कर रहा है और कौन ईमानदारी से अपने मत का प्रयोग कर रहा है, नतीजा सामने यह आया कि हिना साहब लगातार तीसरी बार भी चुनाव हारने में सफल रही, लेकिन उनके कार्यकताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ा जिससे कि उनको जिताया जा सके हुसैनगंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत राज सिधवल के एक गांव साधोखोर में भी खूब बूथों पर दूसरे के नाम का मत डालकर खुशियां मनाई जा रही थी,यह जांच का विषय है जो अल्पसंख्यक समाज के लोग खाड़ी देश में थे उनके नाम का मत आखिर किसने दिया, किसके कहने पर इतनी बड़ी धोखाधड़ी रघुनाथपुर विधानसभा में ही किया गया, सूत्रों से मिली खबरों के अनुसार लगभग 25000 जाली मत का प्रयोग हिना सहाब के पक्ष में किया गया है, जिला अधिकारी सिवान के द्वारा इसका जांच अनिवार्य रूप से होना चाहिए और जिन्होंने भी इस तरह के कार्य का अंजाम दिया है उन पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए,

10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

संवाददाता

पटना:आज दिनांक 21-06-2024 को पी.एम.श्री केंद्रीय वि?द्यालय क्रमांक 2, बेली रोड, पटना के प्रांगण में प्रातः 7:00 बजे से 8:00 तक विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह की अध्यक्षता में 10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का हर्षोल्लासपूर्वक आयोजन किया गया।कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्राचार्य महोदय ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नीरज कुमार, उप-संपादक (दैनिक जागरण) को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र के माध्यम से सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्राचार्य महोदय ने आज के व्यस्त जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज्ञान-योग पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों को सलाह दिया कि वे इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नीरज कुमार ने कहा कि योगाभ्यास प्रकृति के सान्निध्य में करने से विशेष रूप से उपयोगी होता है। अतः लोगों को पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत वृक्षारोपण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं उप-प्राचार्य महोदया श्रीमती मधु कुमारी ने कार्यक्रम में शामिल लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया ।

कृषक विकास समिति ने किया 30 दिवसीय हाउस वायरिंग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

संवाददाता

मोतिहारी 21 जून ,कफील एकबाल नाबार्ड प्रायोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम वन हाउस वायरिंग कोर्स 30 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषक विकास समिति मोतिहारी द्वारा चिलवनीया में संचालन किया गया जिसका उद्घाटन कृषक विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद तथा आईडीबीआई बैंक अधिकारी संदीप कुमार एवं सुमित कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित करते हुए कृषक विकास समिति मोतिहारी के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने प्रशिक्षाणथियों को नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने की सलाह दी ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल हो सके। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार हेतु बैंक से लोन दिलाने में पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को प्रशिक्षण समाप्ति पर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पतंजलि, गायत्री परिवार द्वारा तीन विभिन्न जगहों पर हुआ सामूहिक योग

संवाददाता

कफील एकबाल

मोतिहारी 21 जून :अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजलि, गायत्री परिवार द्वारा लगातार कई दिनों तक योग जागरूकता रैली निकाल कर योग के लाभ को बताया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर इन संस्थाओं द्वारा कई जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें मुख्य कार्यक्रम महावीर मंदिर प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद राधा मोहन सिंह ने किया ।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता के बदौलत आज यह योग का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ है ।लगभग 10 वर्ष पूर्व यह कार्यक्रम आरंभ हुआ था और आज पूरा विश्व इसे स्वीकार किया है।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में जहां पर्यावरण के कारण लोगों के जीवन पर बुरा असर पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में अब एक मात्र योग ही सहारा है जिससे आम लोग अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।कार्यक्रम संयोयिका किरण शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं उन्होंने खुद योग का अभ्यास कराया । अपने संबोधन में श्रीमती शर्मा ने कहा कि पतंजलि के द्वारा सालों भर योगाभ्यास कराया जाता है और इसका लाभ हजारों लोग उठा रहे है।इस वर्ष मौसम भी अनुकूल होने से योग कार्यक्रम मे काफी लोगों की भागीदारी हुई।नगर में कई स्थानों पर आयोजक संस्थाओ ने आयोजन किया।नरेगा पार्क के कार्यक्रम की संयोजिका प्रियंका नागबंशी थी।

विश्व योगा दिवस: छपरा के स्काउट गाइडों ने सोनपुर में राष्ट्रीय स्तर के शिविर में किया योग

संवाददाता

शकील हैदर

छपरा : रोजनामा इंडो गल्फ, वरिष्ठ संवाददाता, शकील हैदर, विश्व योगा दिवस के अवसर पर भारत स्काउट और गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर का योग उत्सव एवं कार्यशाला में स्काउट गाइड ने योग किया।योग दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने किया। योग शिविर में उपस्थित स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने कहा कि योगा हमारी पारंपरिक पद्धति रही है। स्वस्थ रहने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। शारीरिक और मानसिक रूप से न केवल हम स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास भी इससे होगा, जिससे किसी भी तरह की बीमारी नहीं होगी।

जिला संगठन आयुक्त (स्काउट)अमन राज ने बताया कि सोनपुर स्थित स्काउट डेन में लगभग 120 स्काउट और गाइड ने योग शिविर में भाग लिया।जिसमें सारण के 6 स्काउट गाइड ने बिहार का प्रतिनिधित्व किया। इस योग शिविर में सारण से स्काउट सोनू, आदित्य, अरमान, सक्षम तथा गाइड खुशी और माही शामिल हुई।

आरक्षण पर घड़ियाली आंसू डॉ प्रेम कुमार

संवाददाता

बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आरक्षण के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरक्षण पर घड़ियाल आंसू ना बहाये तेजस्वी जी। आज आरक्षण पर घरियाली आंसू बहाने वाले अपने पिता से पूछे की अति पिछड़ों को आरक्षण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक क्यों चले गए थे? बिहार की एनडीए सरकार अति पिछड़ों, अनुसूचित जाति, जनजाति के साथ-साथ सवर्णों को आरक्षण के हक में खड़ी है। खड़ी थी,खड़ी रहेगी। राज्य की बहुत बड़ी आबादी जो वाजिब में आरक्षण की हकदार है को उसके वाजिब हक को हम एनडीए की सरकार जरुर दिलाएंगे। चाहे सुप्रीम कोर्ट ही क्यों नहीं हमें जाना पड़े? अति पिछड़ा के दुश्मन वोट की खातिर घड़ीयाली आंसू बहाना बंद करें। पंचायत में दिया जा रहे अत्यंत पिछड़ा के आरक्षण में अरंगा लगाया। आज अपने आरक्षण के लिए तेजस्वी यादव छटपटा रहे हैं।

आरा, एसं। बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने आरा लोकसभा के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर भाजपा के प्रत्याशी आरके सिंह के पक्ष में प्रचार किया। कहा कि देश सरिया कानून से नहीं बाबा साहेब के संविधान से चलेगा। धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण भाजपा कभी नहीं होने देगी। राजद फिर से बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहता है।

दरभंगा, योग स्वास्थ्य व मानसिक संतुलन के लिए उपयोगी : सी.एम. कॉलेज, दरभंगा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

संवाददाता

अबु बकर

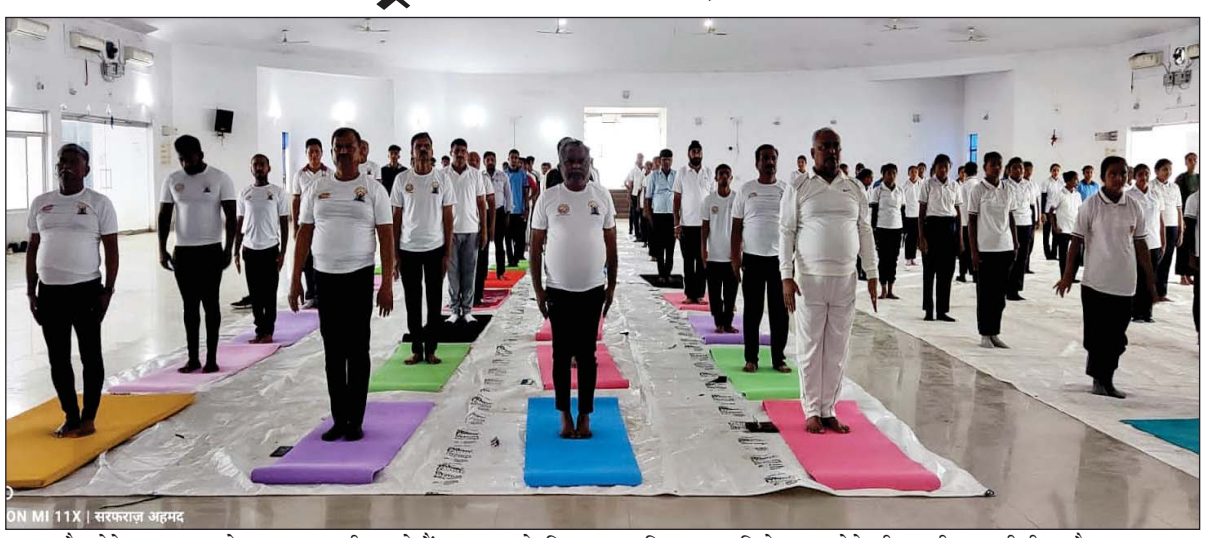

दरभंगा: 21 जून - खेल, व्यायाम और योग न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक संतुलन के लिए भी उपयोगी है। इसलिए तमाम व्यस्तताओं के बावजूद यह जरूरी है कि हम अपने स्वास्थ्य और मानसिक फोकस के लिए योग को अपनाएं। ये विचार सीएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने व्यक्त किये` प्रोफेसर अहमद कॉलेज परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के बाद छात्रों को संबोधित कर रहे थे` उन्होंने कहा कि भारत में योग प्राचीन काल से ही सिखाया जाता है और आज योग ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है, इसका एकमात्र कारण यह है कि योग से विभिन्न शारीरिक बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पहचान यहां की अलग जीवनशैली रही है और इसमें योग का महत्व है। अतः योग को किसी विशेष नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि इसका असाधारण चिकित्सीय महत्व है। प्रोफेसर अहमद ने कहा कि हर धर्म में कुछ ऐसी चीजें होती हैं जो व्यक्ति के शरीर और आत्मा को मजबूत बनाती हैं` हालाँकि इसे एक धार्मिक कर्तव्य माना जाता है, लेकिन स्वास्थ्य के लिए भी इसके काफी फायदे हैं। उदाहरण के लिए, इस्लाम धर्म में प्रार्थना की विधि और उसका पूर्ण निष्पादन स्वास्थ्य को स्थिर करता है। उन्होंने कहा कि योग अब शिक्षण संस्थानों में पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गया है, इसलिए इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है` वर्ष में केवल एक बार योग दिवस मनाकर संतुष्ट होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यह ज्ञातव्य हो कि कॉलेज की एनसीसी और एनएसएस इकाइयों के साथ-साथ कॉलेज के शिक्षक और
इस विशेष कार्यक्रम में कर्मचारियों ने भाग लिया और दर्जनों योग मुद्राएं पूरी की।

ब्रीफ न्यूज

किशोर किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

संवाददता

कफील एकबाल

मोतिहारी, 21 जून महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना अंतर्गत चकिया प्रखंड के बरमादिया पंचायत स्थित बलोचक गांव में किशोर-किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत किशोर किशोरी समूह के बीच बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चकिया कुमारी श्वेता ने बरमदिया पंचायत के सभी किशोर किशोरी समूह के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कम उम्र की शादी परिवार की बबार्दी का कारण बनता है। इसलिए जब बच्चे पढ़ लिख कर अपने पैर पर खड़े हो जाएंगे तभी उसकी शादी अच्छी भी लगती है। उन्होंने कहा कि जब बच्चे विद्यालय में होंगे तब कम उम्र में शादी नहीं होगी। जब लड़किया पढ़ कर नोकरी पेशा में जाएंगी तो दहेज में भी कमी आएगी। उन्हों ने स्टूडेंट कैरेडिट कार्ड सहित सरकार के अन्य संचालित योजनाओं का लाभ उठा अपने सपने को साकार कर सकते हैं।इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने किशोर किशोरी समूह के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि किशोर किशोरी में नेतृत्व, आत्मविश्वास, जागरूकता और क्षमता विकास करना जिससे वे वास्तिविक एवं सामाजिक परिस्थितियों का सामना करके उनका व्यवहारिक हल ढूढ़ सके। बाल बाल विवाह, दहेज प्रथा के दुष्परिणामों एवं उसके कानूनी प्रधानों से अपने परिवार एवं तोला के लोगों को जागरूक कर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में सहयोगी बन सके। उन्होंने कहा कि किशोर किशोरी के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से अपने क्षेत्र के लोगों को अवगत कराना समूह के उद्देश्यों में शामिल है।

इस अवसर पर उड़ान परियोजना के प्रखंड समन्यवक जितेंद्र कुमार सिंह, लेडीज सुपरवाइजर हेना कौसर, विकास मित्र कविता कुमारी,सेविका मधु देवी, किशोर किशोरी निधि कुमारी, काजल कुमारी, अभिलाषा कुमारी, हर्ष राज, विनय कुमार, रोशन कुमार सुहाना खातून, नेहा खातून, रितिका , वंदना, राजनंदनी,जोया खातून, नाजिया,साजिया खातून, काजल कुमारी, पूजा कुमारी, चम्पा कुमारी, प्रीति कुमारी, पिंकी कुमारी,रोशनी कुमारी सहित 50 से ज्यादा बच्चे शामिल हुए। संभावित बाढ़ 2024 से निपटने हेतु जिलाधिकारी के द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष का किया गया गठन
योग स्वस्थ जीवन का आधार : डॉ . धर्मशीला गुप्ता

राज्यसभा सांसद सह भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. धर्मशीला गुप्ता कंगन घाट योग शिविर में हुई शामिल

संवाददाता

पटना, 21 जून। भाजपा महिला मोर्चा बिहार प्रदेश द्वारा आज 21 जून को 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पटना साहिब के कंगन घाट पर योग शिविर सह योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद सह महिला मोर्चा बिहार की अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती डॉ. धर्मशीला गुप्ता जी शामिल हुई।

प्रातः 6 बजे आयोजित इस योग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्त्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के उपरांत महिला मोर्चा माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती डॉ. धर्मशीला गुप्ता जी ने उपस्थित लोगों को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि योग ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ, तनावमुक्त और अनुशासित जीवन जीने की एक शैली है। यह भारत की अमूल्य विद्या है जिसका महत्व आज पूरा विश्व समझ रहा है। उन्होंने लोगों से योग को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि योग करें और निरोग रहें।

योग कार्यक्रम में बिहार की योग कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सरोज जायसवाल जी ,प्रदेश प्रवक्ता एव सह कार्यक्रम प्रभारी श्री प्रभाकर मिश्रा जी, श्रीमती सजल झा जी, महामंत्री श्रीमती सोभा सिंह जी आयोजन मंडल के श्री , श्री विनोद किसलय जी, श्रीमती शीला कुशवाहा जी मीडिया प्रभारी श्रीमती कुमारी वसुधा जी, मंत्री श्रीमती शशि बल्दीहार जी, श्रीमती माला सिन्हा जी, श्रीमती नेहा निश्चल जी एवं श्री अमित कानोरिया जी , संजीव यादव जी,स्वेता कुमारी के साथ अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी इस योग शिविर में शामिल हो कर योगा किये।

अप्पन मिथिलावासी व मधुबनी,झंझारपुर 'क जुझारू नेतृत्व सांसद-विधायक सँ करबद्ध आग्रह करब जे नबका सरकार मे मधुबनी 'क विकास के लेल किछु कायल जाय

संवाददाता

अबु बकर

हम अप्पन मिथिलावासी व मधुबनी,झंझारपुर 'क जुझारू नेतृत्व सांसद-विधायक सँ करबद्ध आग्रह करब जे नबका सरकार मे मधुबनी 'क विकास के लेल किछु कायल जाय। बिहार मे पर्यटन व उधोग विभाग के बढावा देल जाय। उत्तरप्रदेश के तर्ज पर प्रत्येक जिला मे पर्यटन के अवसर के तालाश कायल जाय ओकरा स्थापित कय रोजगार श्रृजन कायल जाय। जेना बनारस मे काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर,अयोध्या मे सरयू-हनुमान गढी, कॉरीडोर, मिजार्पुर मे मनगढ कृपालुधाम आदि के जकॉ मधुबनी मे विद्यापति कॉरीडोर 'क निर्माण कायल जाय जाहि मे बिस्फी के विद्यापति डीह, वाबूबरही के बलिराज गढ़ ,राजनगर के किला, बेनीपट्टी के उच्चैठ, पंडौल के उगना महादेव, झंझारपुर के बिदेश्वर महादेव, अंधराठाढी के चंदेश्वर, मदनेश्वर आदि के जोइर क आओर एहि मे इंटरनेशनल टूरिज्म पॉलिसी के आधार लेय क विकास'क मार्ग दर्शन भय सकैत अछि।

अतः जिलाके सँभगोटें सँ विनती जे अहि विचार के विकास'क आधार बनाबै जाउ। आउ अप्पन क्षेत्रक विकास'क प्रयास करू। अपना अभिभावक सांसद-विधायक सँ बात करू।

BRIEF NEWS

विधानमंडल का मानसून सत्र 22 से 26 जुलाई तक

PATNA : बिहार विधानमंडल का सत्र आगामी 22 से 26 जुलाई तक चलेगा। सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी।बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के लिए सरकार ने अपनी स्वीकृति दे दी है। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब विधानसभा सचिवालय जल्द ही पूरा शेड्यूल जारी करेगा।पांच दिनों तक चलने वाले सत्र के दौरान सरकार कई अहम विधेयकों को सदन के पटल पर रखेगी और दोनों सदनों से उन्हें पारित कराने की कोशिश करेगी। 22 जुलाई को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही मानसून सत्र की शुरूआज होगी। सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार तक चलने वाले मानसून सत्र के दौरान विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

23 साल पुराने केस में साधु यादव को सजा

PATNA : आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के साले साधु यादव को एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज जेल भेज दिया है। जिस मामले में साधु यादव को बेऊर जेल भेजा गाय है। वो मामला 23 साल पुराना है। जब साल 2001 में साधु पर परिवहन आयुक्त को धमकाने और कार्यालय में हंगामा करने का मामला दर्ज हुआ था। साल 2022 में एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में साधु को 3 साल की सजा सुनाई थी। वहीं पटना हाईकोर्ट ने सजा के खिलाफ दायर अपील पर सरेंडर के बाद सुनवाई की बात कही थी।

बिजली की चपेट में आकर युवक की मौत

CHAMPARAN : जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सरेया कचहरी टोला गाँव में एक युवक की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गयी । मौत के बाद परिजन में चीख पुकार मच गयी है। मृतक नागेंद्र साह के 31 वर्षीय पुत्र रविकांत कुमार है। बताया गया कि रविकांत अपने ही घर में बिजली वायर का काम कर रहा था, जिससे करंट की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजन ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण रविकांत कुमार घर मे पंखा लगाने को लेकर तार सेट कर रहा था। पंखे का तार निकालने के क्रम में वह करंट की चपेट में आकर तार पर हीं गिर गया। आनन फानन में ग्रामीण पहाड़पुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अपराध की योजना बनाते अवैध हथियार के साथ धराया

BHAGALPUR : सिटी एसपी राज ने गुरुवार को बताया कि बीते 19 जून को रात्रि में जगदीशपुर थाना की पुलिस को सूचना मिली की मुस्तफापुर लोहा पुल के पास कुछ लोग मिलकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष जगदीशपुर अपने दल-बल के साथ सूचना स्थल पर पहुंचे। पुलिस को आते देख तीनों व्यक्ति भागने लगे जिन्हें पकड़कर तलाशी ली गई। उक्त तीनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर 01 देशी कट्टा एवं 03 कारतूस बरामद किया गया तथा उक्त तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

अहं से वयं की ओर जाने का मार्ग है योग'- सम्राट चौधरी

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

संवाददाता

- योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लेने के बाद योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की

पटना, 21-06-2024भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अन्तर्राधट्रीय योग दिवस पर पटना के पाटलीपुत्र कॉम्प्लेक्स में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कहा कि योग :अहं से वयं' की ओर जाने का मार्ग है। श्री चौधरी ने कहा कि भारत की इस अमूल्य धरोहर को पीएम श्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया तक पहुंचाया और आज के समय में योग दुनियाभर में भारत की पहचान बन चुका है। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प करें और स्वस्थ समाज व समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दें। प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, हम सब योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और उसके लाभों को आत्मसात करें। योग केवल हमारे शरीर को नहीं, बल्कि हमारी सोच और जीवन के दृष्टिकोण को भी बदलता है। यह हमें एक स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध जीवन की ओर अग्रसर करता है। इसीलिए कहा गया है कि 'योगः कर्मसु कौशलम्- योग में निपुणता ही सच्ची कुशलता है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में भी योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। योग में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, ।

जमीन विवाद में पुत्र ने की पिता की हत्या

E. CHAMPARAN : जिले में आपसी विवाद में एक पुत्र पक अपने पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शंभू चक पंचायत के वार्ड नंबर 10 राई टोला की है। बताया जा रहा है कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शम्भूचक पंचायत के वार्ड नंबर-10 राइटोला गांव निवासी अरुण सिंह और उसके छोटे भाई रत्नेश सिंह के बीच घरारी के जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था, जिसको लेकर फिर से दोनो के बीच विवाद शुरू हुआ तो पिता वशिष्ठ सिंह (70 साल) बीच में आ गए।फिर दोनों के बीच पहले गाली- गलौज फिर मारपीट शुरू हो गया। इसी दौरान अरुण सिंह ने अपने बेटे विवेक कुमार, पत्नी अर्चना देवी और एक पट्टीदार संजय सिंह के साथ मिल कर अपने वृद्ध पिता वशिष्ठ सिंह की पिटाई शुरू कर दी,जिससे वशिष्ठ सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के बाद अरुण सिंह अपनी पत्नी और बेटा के साथ फरार है।

नवादा में एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मिलीं लाशें

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़।

- रुपया के लिए हत्या का लगाया जा रहा कयास
- कुछ दिन पहले बेची थी 15 लाख की कीमती जमीन

AGENCY NAWADA : बिहार के नवादा से सनसनीखेज खबर सामने आई है। एक ही परिवार की तीन महिलाओं की संदेहास्पद मौत हो गई है। तीनों के शव घर के अंदर बंद पाए गए। तीनों की मौत कई दिनों पहले हो चुकी थी। इस वजह से लाश खराब हो चुकी हैं। घटना की जानकारी तब मिली जब घर से दुर्गंध निकलने लगा। ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़ा तो सभी अवाक रह गए। घर के अंदर के तीन अलग अलग कमरों में तीनों महिलाओं के शव पड़े थे। घटना जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव की है। जानकारी मिलते ही कई गांवों के लोग घटना स्थल पर जुट गए। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घर में तीन महिलाएं ही रहती थीं। कोई पुरुष सदस्य नहीं है। इधर ग्रामीणों के बीच यह चर्चा के सप्ताह भर पहले घर की महिलाओं ने जमीन बेची थी। बताया जा रहा है कि जमीन बेचने पर उन्हें 15 लाख रुपए दिए गए थे। रुपए के लिए हत्या का लगाया जा रहा कयास लगाए जा रहे हैं।

महानंदा नदी के जलस्तर में वृद्धि कई हिस्सों में घुसा बाढ़ का पानी

AGENCY KISHANGUNJ : जिले में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से महानंदा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। साथ ही डोंक नदी का भी जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसको लेकर सीओ मोहित राज ने भी नदियों का जायजा लिया है। पोठिया प्रखंड क्षेत्र होकर बहने वाली महानंदा व डोंक नदी का जलस्तर पिछले तीन दिनों से बढ़ रहा है। लगातार वर्षा होने के कारण दोनों नदी उफान पर है। महानंदा नदी का जलस्तर बढ़कर 4 सेंटीमीटर हो गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से गोरिहाट, डाक बंगला, कलियागंज आदि स्थानों पर नदी किनारे बसने वाले गिल्हाबाड़ी, बारापोखर, आदिवासी टोला मुस्लिम टोला, बारापोखर प्राथमिक विद्यालय, तैयबपुर, कलियागंज, गोरिहाट, इंदरपुर सहित दर्जनों गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर जाता है।

फिलहाल, बहादुरगंज के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। नदी की उफान को लेकर लोग इस आशंका को लेकर परेशान हैं, कि यदि रात तक पानी की बढ़ती रफ्तार नहीं रुका तो मुश्किलें बढ़ जायेगी। इसी प्रकार डोंक नदी का भी जल स्तर बढ़ने से लोग बाढ़ की आशंका को लेकर चिंतित हैं। पोठिया के मो. आदिल, बिरजू सहित कई स्थानीय लोगो ने बताया कि गांव में अब तक पानी प्रवेश नहीं किया है। लेकिन, माल मवेशियों को दिक्कत जरूर है। नदियों के उफान से कई मुख्य सड़कों से संपर्क टूटने के कगार पर है। कई डायवर्जन भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी होगी। मामले पर अंचल अधिकारी मोहित राज ने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न बढ़े हुए नदियों का निरीक्षण किया जा रहा है, साथ ही टूटे हुए डायवर्जन वाले जगहों को चिह्नित कर तत्काल प्रभाव से उसे ठीक किया जा रहा है और चलने लायक बनाया जा रहा है।

अमृत भारत ट्रेन की चपेट में आकर बच्चे की मौत

W. CHAMPARAN : रक्सौल-सीतामढ़ी रेलखंड के जयमूर्तिनगर हॉल्ट स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक मासूम की मौत हो गयी। मृतक बनकटवा के अनिल ठाकुर का पुत्र 3 वर्षीय कल्लू कुमार बताया गया है। वहीं उसकी दो बहनें खुशी कुमारी (5) व रुचि कुमारी (4) ट्रेन की चपेट में आने से बाल बाल बचीं। तीनों सगे भाई बहन प्लेटफार्म के उत्तरी भाग में मौजूद अपने पिता की दुकान से लौट रहे थे। लौटने के क्रम में दो बहनें ट्रैक पार कर गयी, जबकि छोटा भाई ट्रैक पार कर ही आ रहा थी कि रक्सौल की ओर से आर रही अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया,जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। उल्लेखनीय है कि मृतक अपने माता पिता का एकलौता पुत्र था। उसकी मां गूंगी है वही उसके पिता भी दिव्यांग हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख पुकार मची है, परिजनो का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

कटिहार में मशरूम के छाते से जीविका दीदी को मिल रही है आर्थिक सुरक्षा

AGENCY KATIHAR : एडी खुशबू, कोढ़ा. बदलाव के दौर में महिलाएं स्वावलंबी व आत्मनिर्भर होते हुए जिंदगी के हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी के झंडा लहरा रही हैं। खेती के क्षेत्र में भी महिलाएं परिश्रम कर बेहतर पैदावार ले रही हैं। कृषि कार्य में भी अपना लोहा मनवा रही हैं। इसी कड़ी में कोढ़ा प्रखंड क्षेत्र की बिशनपुर पंचायत के बिशनपुर ग्राम की जीविका दीदी राजकुमारी देवी मशरूम की खेती कर मिसाल कायम कर रही हैं। पिछले दो वर्ष से मशरूम की बेहतर खेती कर घर की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान कर रही हैं। अपने परिवार के जीवन में खुशियों के रंग भर रही हैं। जीविका राजकुमारी देवी मशरूम की खेती कर प्रत्येक वर्ष लाखों रुपये कमा रही हैं। प्रखंड क्षेत्र की विशनपुर पंचायत निवासी जीविका दीदी ने सुखद भविष्य की आस में मशरूम की खेती शुरू की। अब लाभ भी ले रही हैं। केला की खेती

के लिए प्रसिद्ध कोढ़ा प्रखंड में महज 10 वर्ष पूर्व पनामा विल्ट नामक रोग लगने के कारण प्रखंड क्षेत्र में केला खेती का रकबा घट गया। इसके बाद लोग मक्का खेती के तरफ मुड़े। अब बिशनपुर की जीविका दीदी ने मशरूम की खेती की शुरूआत की है। उन्हें लगा कि मशरूम की खेती कर अच्छे मुनाफे के साथ आर्थिक समृद्धि की ओर बढ़ा जा सकता है। राजकुमारी देवी ने बताया कि प्रथम वर्ष जब करीब तीन चार कट्ठे जमीन में मशरूम की खेती शुरू की तो लगभग 40 हजार रुपये खर्च आया। एक वर्ष में करीब दो लाख 50 हजार रुपये की मशरूम का बिक्री हुई। मशरूम में 20 से 25 दिन में फसल निकलनी शुरू हो जाती है। हालांकि मशरूम की खेती में मौसम का भी प्रतिकूल असर पड़ताहै। ठंड के मौसम में फसल बेहतर परिणाम देता है। जबकि गर्मी में उपज में कमी आ जाती है। राजकुमारी देवी ने आगे बताया कि सर्वप्रथम जीविका समूह से मैं जुड़ी। जुड़ने के बाद जीविका द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर मशरूम की खेती की शुरूआत की। मशरूम की खेती करने के दौरान कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

अंगिका को आठवीं सूची में शामिल करने को ले प्रदर्शन

AGENCY BHAGALPUR : अंगजनपद की लोक भाषा अँगिका अपने परिचय का मोहताज होते दिख रही है। अँगिका भाषा सदैव उपेक्षा का शिकार रही, जिस तरह मैथिली, बांग्ला, भोजपुरी भाषा के अलावा कई भाषा पर सरकार का विशेष ध्यान है। उसके हिसाब से अंगिका भाषा पर इतना विचार नहीं किया जा रहा। जिसके चलते अंगिका भाषा अपेक्षित होती चली जा रही है। अंगिका भाषा की संवैधानिक मान्यता को लेकर गुरुवार को अंग क्षेत्र के लोगों ने एक विशाल धरना का आयोजन किया। साथ ही प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सरकार के समक्ष कई मांगों को भी रखा, जिसमें अंगिका भाषा आठवीं अनुसूची में शामिल करने, भागलपुर रेलवे स्टेशन और बस

स्टैंड में उद्घोषणा अंगिका में भी की जाए, अंगिका भाषा से नौकरी दी जाए, विश्वविद्यालय में अंगिका पर विशेष कार्य हो, अंगिका भाषा पर सिनेमा टीवी सीरियल वेब सीरीज बनाई जाए आदि शामिल हैं। लोगों ने भागवत झा आजाद अंगिका केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की भी बात कही। साथ ही साथ अंगिका को जल्द से जल्द दूसरी राजभाषा घोषित करने की भी मांग सरकार के समक्ष रखी।

यादव, मुसलमान और कुशवाहा का..., बोल कर बुरे फंसे सांसद देवेश चंद्र ठाकुर

AGENCY MUZAFFARPUR : सीतामढ़ी के नवनिर्वाचित सांसद अपने उस बयान को लेकर कानूनी पचड़े में घिर गए हैं जिसमें उन्होंने यादव, मुस्लमान और कुशवाहा का काम नहीं करने की बात कही थी। उनके खिलाफ मुजफ्फरपुर सीजेएम कोर्ट में नालिसी दायर की गई है। अहियापुर के दिलीप कुमार कुशवाहा ने कोर्ट में परिवाद दायर कर इसे समाज में अस्थिरता फैलाने वाला वक्तव्य बताया है। साथ ही आरोप लगाया है कि इस बयान से लाखों लोगो को मानसिक आघात लगा है। कोर्ट ने परिवाद को ग्रहण करने के बिंदु पर सुनवाई के लिए रखा है। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान पर सोशल मीडिया भी जोरदार

सीतामढ़ी एमपी के विरुद्ध मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद

बहस छिड़ी है। दाखिल परिवाद में बताया है कि सांसद निर्वाचित होने के बाद देवेश चंद्र ठाकुर ने सीतामढ़ी के परिहार और डुमरा में खुले मंच से अपना वक्तव्य दिया है। इसमें कहा कि सांसद चुनने के बाद जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के साथ पुरे देश का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन उन्होंने कहा कि जिन यादव, मुसलमान और कुशवाहा को काम पड़ेगा वह लालू यादव के पास जायेंगे। उनके इस वक्तव को सुनने के बाद परिवादी, गवाह और लाखों लोग आहत हुए है। धारा आपीसी की धारा 501 और 505 के तहत परिवाद दाखिल की गई है। यह मामला देवेश चंद्र ठाकुर के उस बयान से जुड़ा है जिसमें उन्होंने मुसलमान, यादव और कुशवाहा समाज पर उन्हें वोट नहीं देने का आरोप लगाया था। सीतामढ़ी लोकसभा सीट से देवेश चंद्र ठाकुर ने 2024 के चुनाव में 50 हजार से ज्यादा वोटों से राजद के उम्मीदवार अर्जुन राय परास्त किया। 2019 में इसी सीट पर जदयू के सुनील कुमार पिंटू 2 लाख से ज्यादा मतों से जीते थे।

सीतामढ़ी में बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

AGENCY SITAMARHI : सीतामढ़ी जिले के महिंद्रावारा में एक भाजपा नेता की बीती रात जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दिया गया है। घटना जिले के महिंदवारा थाना क्षेत्र के मौना गांव की है। जहां बुधवार की रात अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मौना गांव निवासी भरत साह के करीब 35 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार साह के रूप में की गयी है। बताया जाता है कि राजेश भाजपा युवा मोर्चा के कोआही मंडल का पूर्व में अध्यक्ष रह चुका है। फिलहाल वह अपने दरवाजे पर ही सीएसपी व कैफे का संचालन करता था। बुधवार की रात वह अपने दरवाजे पर ही कैफे में बैठा हुआ था, इसी बीच बाइक सवार तीन सशस्त्र अज्ञात

- घटना महिंदवारा थाना के मौना गांव की, अपराधियों की तलाश में जुटी पुलिस

अपराधकर्मी वहां पहुंचे तथा राजेश के उपर गोली चला दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग दौर पड़े। लोगों को आते देख अपराधकर्मी बाइक पर सवार हो फरार हो गये। जखमी राजेश को परिजनों ने आनन फानन में एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में भर्ती कराया, जहां इलाज के क्रम उसने दम तोड़ दिया।

गर्मी से मिली निजात, कैमूर छोड़ पूरे बिहार में हुई बारिश, पूर्णिया में झमाझम बरसे बादल

किशनगंज के रास्ते मानसून की हुई एंट्री

AGENCY PATNA : आखिरकार बिहारवासियों को भीषण गर्मी से निजात मिल गई। गुरूवार तड़के कैमूर को छोड़कर पूरे बिहार में बारिश हुई। जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बारिश पूर्णिया में 126 मिमी, सुपौल में 94 मिमी, किशनगंज 82.4, पूर्वी चंपारण 74, अररिया, 72, सीवान, 66.2, जुमई 60, गोपालगंज 57, कटिहार 56, मिमी बारिश इन जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हुई। वहीं अगर बात तापमान की करें तो आज सबसे ज्यादा पारा 42.8 डिग्री औरंगाबाद का रहा, वहीं सबसे कम तापमान 21 डिग्री मोतिहारी का रहा। पूरे प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी हुई है। बिहार में मानसून किशनगंज,

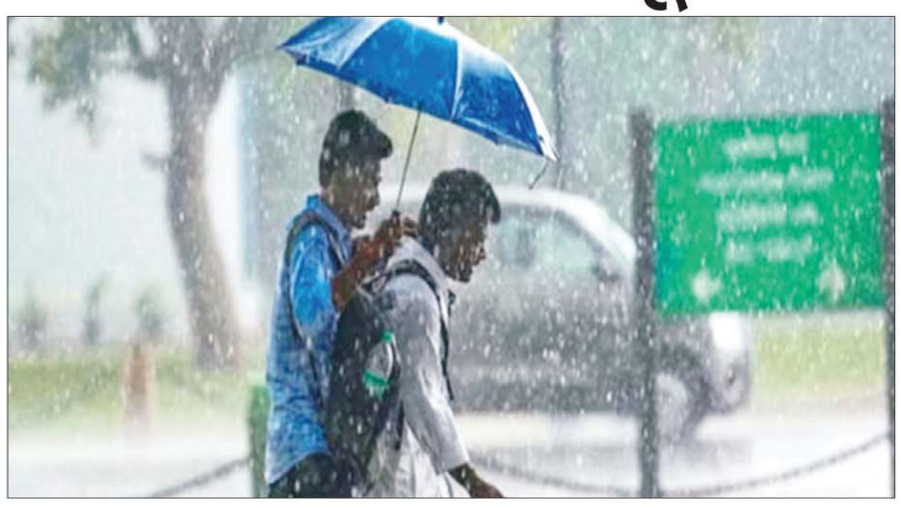

पूर्णिया के रास्ते प्रवेश कर गया है। मौसम विभाग के निदेशक सुनील नारायण थुल ने जानकारी देते हुए बताया कि बिहार के लगभग 10 जिलों में मानसून प्रवेश कर गया है। ऐसे में अब आने वाले दिनों में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश जारी रहेगी। आपको बता दें इससे पहले मौसम विभाग ने अररिया, किशनगंज, सुपौल, कटिहार और पूर्णिया में 20 और 21 जून को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। जबकि 22 जून को इन जिलों के अलावा सीतामढ़ी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में एक दो स्थानों पर भारी बारिश के आसार हैं। राज्य के अन्य जिलों में विशेषकर उत्तर बिहार में 21 जून से 23 जून के बीच गरज तड़क के साथ बारिश के आसार हैं। पिछले 18 दिनों से पश्चिम बंगाल और बिहार की सीमा पर इस्लामपुर में अटके मानसून करंट के प्रसार की परिस्थितियां अब तेजी से तैयार होने लगी हैं। इसके मुताबिक 21 से 22 जून तक बिहार में किशनगंज-पूर्णिया के रास्ते मानसून की दस्तक हो सकती है। मानसून के आगमन के साथ ही तापमान में चार डिग्री कमी आ सकती है। इधर मानसून के आगमन की देरी से बिहार में 70 प्रतिशत तक बारिश की कमी हो गई है।

पुलिस हाजत में युवक की मौत पर बवाल, ग्रामीणों का थाना पर हंगामा

AGENCY MOTIHARI : बिहार में एक बार फिर पुलिस कस्टडी में युवक की मौत पर बवाल का मामला सामने आया है। घटना पूर्व चंपारण के झड़ोखर थाने की है। युवक बाइक की चोरी के आरोप में में झरोखर थाने के हाजत में बंद था। उसकी पहचान 30 वर्षीय नन्हक राय के रूप में की गई है। संदेहास्पद स्थिति में गुरुवार की सुबह हाजत में उसकी मौत हो गयी। पुलिस मामले को आत्महत्या से जोड़कर देख रही है जबकि परिजनों का कहना है कि पुलिस की पिटाई से उसकी मौत हुई है। पुलिस पर आरोप लगा कर परिजनों ने थाने पर और अस्पताल में बवाल किया। इस मामले मे सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने नन्हक राय को चोरी के आरोप में पकड़ा गया था। उसने हाजत में गले में फंदा डाल आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस के द्वारा आनन फानन में उसे

मौत की खबर के बाद थाना परिसर में जुटी ग्रामीणों की भीड़ ।

घोड़ासहन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन मृतक के परिजनों ने इस बात से साफ साफ इनकार किया है। उन लोगों ने ने पीट पीट कर मार डालने का आरोप थानाध्यक्ष पर लगाते हुए झरोखर थाने पर जमकर हंगामा किया। परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने का विरोध करते हुए घोड़ासहन के अस्पताल में भी हंगामा किया। मौके पर मौजूद डीएसपी अशोक कुमार तथा छौड़ा दानों पुलिस निरीक्षक धनंजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के द्वारा सख्ती बरतते हुए सब को शांत करवा दिया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा झरोखर थाने का अब भी घेराव किया जा रहा है। डीएसपी के नेतृत्व में आसपास के सभी थानों के पुलिस अधिकारी और सशस्त्र बल फिलहाल झरोखर में कैंप कर रहे हैं और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटे हैं।

लू के थपेड़ों से बचायें पशुओं को

मौसम के प्रभाव का पशुओं की दिनचर्या से सीधा संबंध है. मौसम की विभिन्नता, इसके बदलाव की स्थिति में पशु के लिए विशेष प्रबंध करने के प्रयासों की आवश्यकता रहती है। हमारी भौगोलिक स्थिति के अनुसार मौसम में काफी विविधताएं हैं, वहीं देश के पश्चिम भाग में गर्मी काफी तेज पड़ती है। जरा सी लापरवाही से किसानों को पशुधन की क्षति हो सकती है।

अधिक गर्म समय में पशु के शारीरिक तंत्र में व्यवधान आ जाता है, जिसके कारण गर्मी पशु के शरीर में इकट्ठा हो जाती है तथा सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से वह बाहर नहीं निकलती है, जिसकी वजह से पशु को तेज बुखार आ जाता है और बेचैनी बढ़ जाती है. यही रोग पशु में लू लग जाना कहलाता है. यह रोग अधिक गर्म मौसम जब वातावरण में नमी और ठंडक की कमी आ जाती है तथा तेज गर्म हवाएं चलती हैं, पशु आवास में स्वच्छ वायु नहीं आने के कारण होता है। कम स्थान में अधिक पशु रखने तथा अधिक मेहनत करने से उत्पन्न होने वाली गर्मी से भी यह रोग होता है। गर्मी के मौसम में पशु को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पिलाना मुख्य कारण माना जाता है. रेगिस्तानी क्षेत्र में तेज लू व सूखी गर्मी पड़ने के कारण वहां पशुओं की ज्यादा हानि होती है।

लू के लक्षण

पशु को लू लगने पर 106 से 108 डिग्री फेरनहाइट तेज बुखार होता है सुस्त होकर खाना–पीना छोड़ देता है, मुंह से जीभ बाहर निकलती है तथा सही तरह से सांस लेने में कठिनाई होती है तथा मुंह के आसपास झाग आ जाता है. लू लगने पर आंख व नाक लाल हो जाती है. प्रायः पशु की नाक से खून आना प्रारंभ हो जाता है जिसे हम नक्सीर आने पर पशु के हृदय की धड़कन तेज हो जाती है और श्वास कमजोर पड़ जाती है जिससे पशु चक्कर खाकर गिर जाता है तथा बेहोशी की हालत में ही मर जाता है.

उपचार

इस रोग से पशुओं को बचाने के लिये कुछ सावधानियां बरतनी चाहिये. पशु आवास में स्वच्छ वायु जाने एवं दूषित वायु बाहर निकलने के लिये रोशनदान होना चाहिए. तथा गर्म दिनों में पशु को दिन में नहलाना चाहिए खासतौर पर भैंसों को ठंडे पानी से नहलाना चाहिए. पशु को ठंडा पानी पर्याप्त पिलाना चाहिए। संकर नस्ल के पशु जिनको अधिक गर्मी सहन नहीं होती है उनके आवास में पंखे या कूलर लगाना चाहिए. पशुओं को इस रोग से बचाने में उसके आवास के पास लगे पेड़–पौधे बहुत सहायक होते हैं। लू लगने पर पशु के शरीर में पानी की कमी हो जाती है, इसकी पूर्ति के लिये पशु को ग्लूकोज की बोतल ड्रिप चढ़वानी चाहिए तथा बुखार को कम करने व नक्सीर के उपचार की विस्तार से जानकारी लेने व चिकित्सा के लिए तुरन्त पशु चिकित्सक से सलाह लें।

पानी व्यवस्था

इस मौसम में पशुओं को भूख कम लगती है और प्यास अधिक. पशुपालको पशुओं को पर्याप्त मात्रा में दिन में कम से कम तीन बार पानी पिलाना चाहिए. जिससे शरीर के तापक्रम को नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके अलावा पशु को पानी में थोड़ी मात्रा में नमक एवं आटा मिलाकर पानी पिलाना चाहिए।

पशु आहार

गर्मी के मौसम में दुग्ध उत्पादन एवं पशु की शारीरिक क्षमता बनाये रखने की दृष्टि से पशु आहार का भी महत्वपूर्ण योगदान है. गर्मी के मौसम में पशुओं को हरे चारे की अधिक मात्रा उपलब्ध कराना चाहिए. इसके दो लाभ हैं, एक पशु अधिक चाव से स्वादिष्ट एवं पौष्टिक चारा खाकर अपनी उदरपूर्ति करता है, तथा दूसरा हरे चारे में 70–90 प्रतिशत तक पानी की मात्रा होती है, जो समय–समय पर जल की पूर्ति करता है. प्रायः गर्मी में मौसम में हरे चारे का अभाव रहता है. इसलिए पशुपालक को चाहिए कि गर्मी के मौसम में हरे चारे के लिए मार्च, अप्रैल माह में मूंग , मक्का, काऊपी, बरबटी आदि की बुवाई कर दें जिससे गर्मी के मौसम में पशुओं को हरा चारा उपलब्ध हो सके. ऐसे पशुपालन जिनके पास सिंचित भूमि नहीं है, उन्हें समय से पहले हरी घास काटकर एवं सुखाकर तैयार कर लेना चाहिए. यह घास प्रोटीन युक्त, हल्की व पौष्टिक होती है.

सोयाबीन की कृषि कार्यमाला

बीजोपचार

बीज को फफूंदनाशक दवा थायरम 75 डब्ल्यू.पी. एवं कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. दवा को 2:1 के अनुपात में मिलाकर 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें या थायरम 37 प्रतिशत + कार्बाक्सिन 37 प्रतिशत, 2 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से या ट्राइकोडर्मा नामक जैविक फफूंदनाशक की 3 ग्राम मात्रा प्रति केलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर सकते हैं।

उर्वरक एवं खाद

सामान्यतः 40 कि.ग्रा. यूरिया, 375 कि.ग्रा. फास्फोरस एवं 70 कि.ग्रा. पोटाश की मात्रा का उपयोग करें।

बुवाई का तरीका

कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. हो । कम ऊंचाई वाली जातियों या कम फैलने वाली जातियों को 30 से.मी. की कतार से कतार की दूरी पर बोयें। बुवाई का कार्य दुफन, तिफन या सीडड्रिल से ही करें।

मेढ़– नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि से बुवाई करने से सोयाबीन की पैदावार में वृद्धि पायी गयी है। एवं नमी संरक्षण तथा जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी है।

अधिक फैलने वाली जातियों की 3 से 4 लाख के आसपास पौध संख्या एवं कम फैलने वाली जातियों की 4 से 6 लाख पौध संख्या प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

सामान्य तरीके से बुवाई के बाद 20–20 मीटर की दूरी पर ढाल के अनुरूप जल निकास नालियाँ अवश्य बनायें, जिससे अधिक वर्षा की स्थिति में जल भराव की स्थिति पैदा न हो। मेढ़–नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि की बुवाई, जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी हैं।

लाभकारी अंतरवर्तीय फसलें

सोयाबीन+मक्का (चार कतार: दो कतार)
या सोयाबीन+अरहर (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन+ज्वार (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन + कपास (चार कतार : एक कतार)

लाभकारी फसल चक्र

सोयाबीन गेहूं, सोयाबीन–अलसी, सोयाबीन – चना, सोयाबीन – आर्किल मटर

कटाई,गहाई एवं भंडारण

फसल की कटाई तब करें जब 95 प्रतिशत फलियां भूरी पड़ जायें और पत्तियाँ झड़ जायें।

खरपतवार नियंत्रण

20–25 दिन में फसल से खरपतवार निकाल दें। मजदूरों द्वारा हाथ से निंदाई करवाने के परिणाम अच्छे मिले हैं। परंतु मजदूरों की कमी, वर्षा का अंतराल एवं जमीन की स्थिति से हाथ की निंदाई खरीफ मौसम में कभी–कभी कठिन हो जाती है अतः यांत्रिक विधियों में सी.आई.ए.ई. भोपाल द्वारा निर्मित उन्नत हैंड हो या बैलों से चलने वाला कुल्पा या डोरा से भी नींदा नियंत्रण कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार रसायनिक नींदानाशकों का उपयोग भी करें।

खरपतवारों से सुरक्षा

बोनी से पूर्व

फ्लूक्लोरोलिन 45 ई.सी.की 1–1.5 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. बोनी से पूर्व नम मिट्टी में छिड़क दें।

बोनी से बाद अंकुरण से पूर्व

डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू. डी.जी. 22 ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. या एलाक्लोर 50 ई.सी.का 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या पेन्डिमिथालिन ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या एसिटाक्लोर 90 ई.सी. 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या मेटलाक्लोर 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या क्लोमेजोन 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव, प्रति हे. के हिसाब से बोनी के बाद एवं अंकुरण के पूर्व छिड़काव करने से खरपतवार नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

बोनी के बाद

सोयाबीन की बोनी के 15–20 दिन के बीच खड़ी फसल में इमेजाथायपर नामक दवा का 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हे. छिड़कने से सभी प्रकार के खरपतवार का नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है। जहां पर केवल संकरी पत्ती के नींदा हों वहां क्विजालोफाप इथिल 50 ग्राम क्रियाशील अवयव या फेनोक्साप्राप 10 ई.सी. 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें। इन दवाओं को 500–700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव स्प्रेयर में फ्लड जेट नॉजल या फ्लैट फैन नॉजल लगाकर करें। भूमि में नमी रहने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

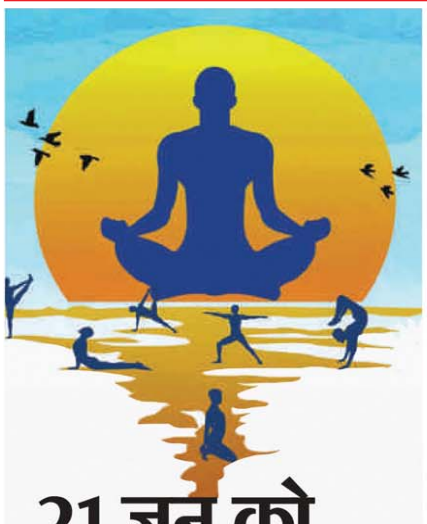

21 जून को ही क्यों मनाते हैं योग दिवस

योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से सेहत को कई सारे फायदे मिलते हैं। योग से होने वाले इन्हीं फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है।

योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि लोग इसे लगातार अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इसे करने से केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक तौर पर भी कई सारे फायदे पहुंचते हैं। योग की इसी अहमियत को देखते हुए हर साल 21 जून को अंतरर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस मनाया जाता है। यह दिन खासतौर पर योग से होने वाले कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से मनाया जाता है। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई और इसने अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के लिए दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तारीख

हर साल 21 जून को दुनिया भर के लोग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन का लक्ष्य योग के कई लाभों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है और शारीरिक- मानसिक स्वास्थ्य के लिए दुनिया भर के योग चिकित्सकों को प्रेरित करना है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का इतिहास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत साल 2015 से हुई थी। दरअसल, साल 2014 के सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान योग दिवस का विचार प्रस्तावित किया था। इसके बाद 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने पर सहमति व्यक्त की, जिसके बाद 21 जून, 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

21 जून को ही क्यों मनाते हैं योग दिवस?

योग दिवस मनाने के लिए 21 जून का दिन इसलिए तय किया गया, क्योंकि पंचांग के मुताबिक 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इसे ग्रीष्म संक्रांति कहते हैं, जिसके बाद सूर्य दक्षिणायन होता है। सूर्य के दक्षिणायन होने पर इसका तेज कम हो जाता है, जिससे वातावरण अशुद्ध हो जाता है, कीटाणु उत्पन्न होते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में आध्यात्मिक सिद्धियों को प्राप्त करने और तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए चुना गया है।

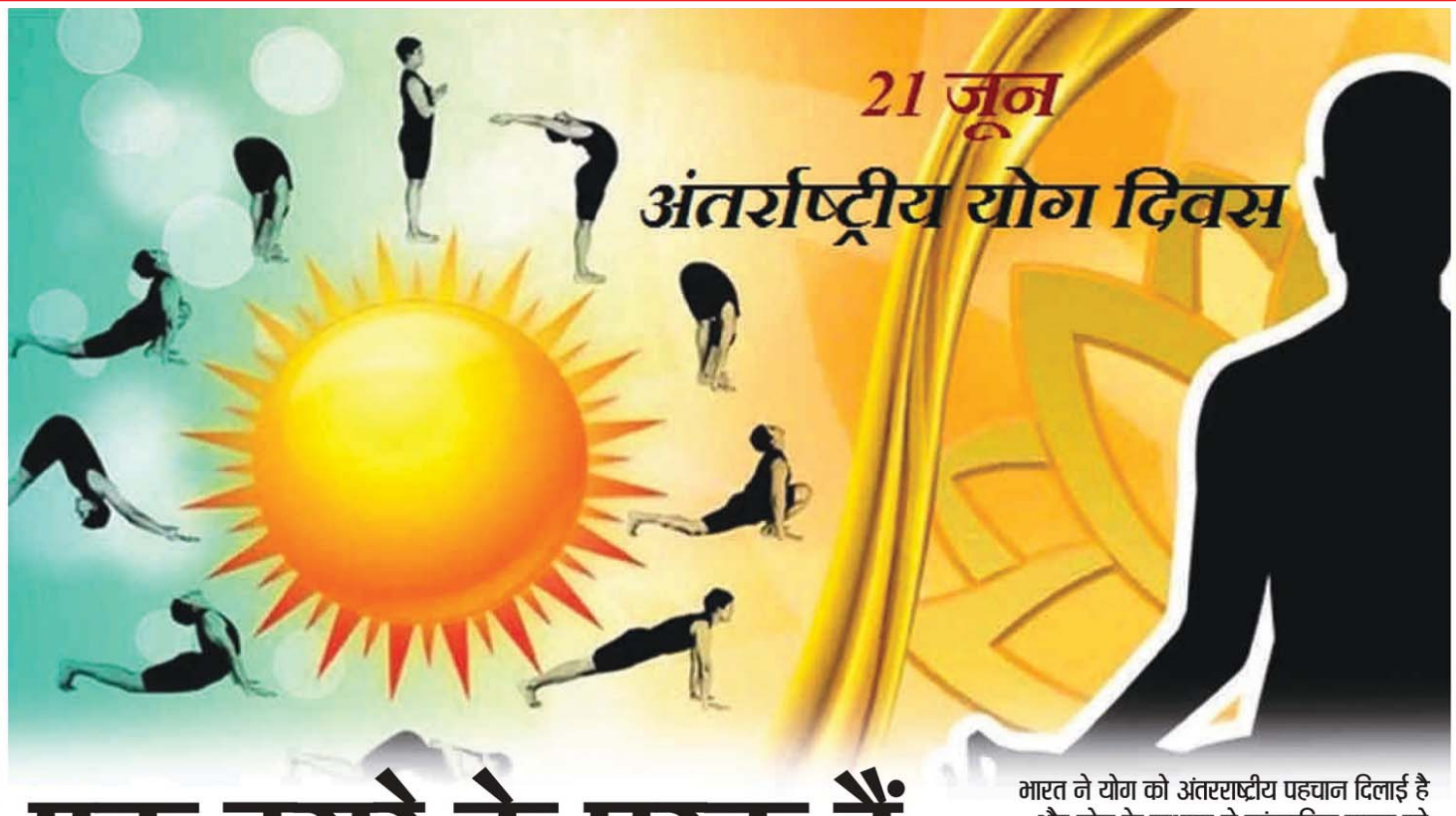

एक दूसरे के पूरक हैं योग और अध्यात्म

भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है और योग के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है।जब योग की बात आती है तो अध्यात्मिक दर्शन भी इससे अछूता नहीं रहता। हालांकि अध्यात्म और योग दो अलग-अलग विषय हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

विश्व योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और दुनिया भर में इसके अभ्यास को बढ़ावा देना है। भारत योग में विश्व में अग्रणी है। भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है और योग के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है।जब योग की बात आती है तो अध्यात्मिक दर्शन भी इससे अछूता नहीं रहता। हालांकि अध्यात्म और योग दो अलग-अलग विषय हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। वस्तुतः योग के निरंतर अभ्यास से ही अध्यात्म की राह दिखाना संभव है। माना जाता है कि योग का अर्थ भागीदारी है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से यह स्वयं को देखने और आत्मनिरीक्षण के माध्यम से स्वयं के साथ संवाद करने की एक प्रक्रिया है। जहां बाकी दुनिया के लिए योग एक स्वास्थ्य उपचार हो सकता है, वहीं भारत में इसे खुद से जुड़ने की प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है। ऐसी गतिविधियां जो लोगों को अपने अंदर देखने की अनुमति देती हैं। भारतीय आध्यात्मिक दर्शन का योग से गहरा संबंध है। यह पारंपरिक योग अभ्यास, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई, दुनिया भर में अपनाया जाता है। चलिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जानते हैं योग और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक कैसे हैं।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से है योग साधना का सम्बन्ध

योग स्वस्थ शरीर, मन और बुद्धि को बनाए रखकर सच्चे आत्म यानि स्वयं को प्राप्त करने का एक तरीका है। योग के माध्यम से हम अपनी चेतना की उच्चतम अवस्था से जुड़कर जीवन जीते हैं। ऐसा जीवन पूर्णता से परिपूर्ण होता है। इसी कारण से योग और अध्यात्म को एक दूसरे का पूरक माना जाता है। योग के निरंतर अभ्यास से ही आध्यात्मिक मार्गदर्शन संभव है।

पश्चिमी देशों में आध्यात्मिक पहलुओं की ओर रुझान

आज योग और अध्यात्म दो श्रेणियों में बंटे हुए हैं। योग और अध्यात्म के बारे में पूरी जानकारी आज भी कम ही लोगों को है। आजकल, अधिक से अधिक लोग योग के बारे में जानते हैं लेकिन इसे आध्यात्मिकता से नहीं जोड़ पाते हैं, या ऐसे लोग भी हैं जो आध्यात्मिकता से जुड़ते हैं लेकिन योग के भौतिक पहलुओं को पूरी तरह से नहीं समझते हैं। हालाँकि, योग गुरुओं के प्रयासों और जागरूकता के कारण, पश्चिमी देशों में योग के आध्यात्मिक पहलुओं पर जोर देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। योग के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करके ही व्यक्ति इसके सही अर्थ को समझ सकता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। योग से ही आंतरिक शांति प्राप्त की जा सकती है। जो व्यक्ति योग का ज्ञान प्राप्त कर लेता है लेकिन उसका आध्यात्मिक रूप नहीं समझता है तो वे योग मूल स्वरुप से भटक सकता है। आसन का अभ्यास आपके शरीर को स्वस्थ और लचीला बना सकता है, लेकिन इससे हर व्यक्ति योगी नहीं बनता। इसलिए योग में आध्यात्मिकता का समावेश करना बहुत जरूरी है।

योग और भगवदगीता

भगवद गीता के सभी 18 अध्यायों का नाम योग के एक रूप पर रखा गया है।

- अर्जुनविष्य योग
- सांख्य योग
- कर्म योग
- ज्ञान कर्म संन्यास योग
- कर्मसंन्यास योग
- आत्म नियंत्रण योग
- ज्ञान विज्ञान योग
- अक्षर ब्रह्म योग
- राजविद्या राजज्ञ योग
- विभूति योग
- विश्व रूप दर्शन योग
- भक्ति योग
- क्षेत्र क्षेत्रज्ञ विभाग योग
- गुणत्रयविभागयोग
- पुरुषोत्तमयोग
- दैवासुरसम्पद्विभाग योग
- श्रद्धात्रयविभागयोग
- मोक्षसंन्यासयोग

प्रत्येक अध्याय में योग, धर्मनिरपेक्ष जीवन और आध्यात्मिकता से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है और दिखाया गया है कि यदि योग को आध्यात्मिकता से अलग कर दिया जाता तो योग का अस्तित्व ही नहीं है। दूसरे शब्दों में, यदि योग हमारा शरीर है, तो हमारी आध्यात्मिकता इसका मस्तिष्क है। जिस प्रकार मस्तिष्क के बिना शरीर बेकार है, उसी प्रकार अध्यात्म के बिना योग बेकार है। जब तक योग आध्यात्मिकता के साथ जुड़ा है , तब तक यह न केवल शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि मुक्ति का मार्ग भी दिखाता है।

योग का इतिहास कितना प्राचीन?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत योग का जनक है, लेकिन फिर भी यह प्रश्न सबके मन में कौंधता है कि आखिर योग कब अस्तित्व में आया? दरअसल, योग का इतिहास बहुत पुराना है, उतना ही पुराना जितना कि ब्रह्मांड। ऐसा कहा जाता है कि आदियोगी भगवान शिव ने सप्तऋषि को योग सिखाया था और उन्होंने ही योग को पूरी सृष्टि में फैलाया। भगवान के विभिन्न अवतारों, विशेषकर भगवान श्रीकृष्ण, जिन्हें योगेश्वर, योगी, भगवान महावीर, भगवान बुद्ध आदि के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से इसका विस्तार किया है। लेकिन वर्तमान समय में हम जिस योग को जानते हैं , इसकी उत्पत्ति लगभग 200 ईसा पूर्व हुई थी। महर्षि पतंजलि ने इसे योग सूत्र नामक पुस्तक में व्यवस्थित रूप दिया और बाद में सिद्ध, शैव, नाथ, वैष्णव और शाक्त जैसे संप्रदायों द्वारा इसका विस्तार किया गया। योग से जुड़े मंत्र ऋग्वेद, ऋक्संहिता आदि ग्रंथों में भी पाए जाते हैं।

योग शिक्षा का महत्व

योग एक मानस शास्त्र है जिसमें मन को संयत करना और पाशविक वृत्तियों से खींचना सिखाया जाता है। जीवन की सफलता, किसी भी क्षेत्र में संयत मन पर भी निर्भर करती है। मनःसंयम का अभिप्राय है किसी एक समय में किसी एक ही वस्तु पर चित्त का एकाग्र होना। दीर्घकाल तक अभ्यास करने से मन का ऐसा स्वभाव बन जाता है। किसी विषय को सोचते या किसी काम को करते हुए मन उस पर एकाग्र रहे, ऐसा अभ्यास करना आरंभ में तो बड़ा कठिन होता है, पर जब अभ्यास करते-करते वैसा स्वभाव बन जाता है, तब उससे बड़ा सुख होता है।

बहुत से विद्यार्थी जो प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में फेल हुआ करते हैं, इसका कारण यही है कि अध्ययन में मन को एकाग्र करने की शक्ति ही उनमें नहीं होती। यही बात सांसारिक विषयों में होने वाली विफलताओं की है। जब तक मनुष्य अपने विचारणीय विषय या करणीय कार्य में तन्मय नहीं होता, तब तक उसे उसमें सफलता मिल ही नहीं सकती। मन के इस विशिष्ट धर्म से योगशास्त्र के प्रणेता ने धार्मिक क्षेत्र में भी काम लिया है। योग स्वयं कोई धर्म संप्रदाय या धर्मविषयक तत्वज्ञान नहीं है, प्रत्युत यह संसार के सभी धर्मों और तत्वज्ञानों का सहायक है। इसे किसी धार्मिक सिद्धांत का प्रचार नहीं करना है। संसार के सभी धर्म वालों को इसके द्वारा यह शिक्षा मिलती है कि किस प्रकार अपनी-अपनी धर्मविषयक बातों में मन को एकाग्र करने से शांति और आनंद प्राप्त होता है।

पातंजल योग सूत्रों में जिस विषय का मुख्यतया प्रतिपादन किया गया है, वह है 'चित्तवृत्तिनिरोध' अर्थात अन्य विषयों से चित्त को खींचकर एक ही विषय में एकाग्र करना। मन को एकाग्र करने की शक्ति निरंतर अभ्यास और सांसारिक भोगों से मुंह मोड़ने से प्राप्त होती है। सूत्र 23 और 39 में पतंजलि मुनि कहते हैं कि ईश्वर-प्रणिधान से अथवा जिस विषय में अपनी रुचि हो, उसी पर ध्यान जमाने से (यथाभिमतध्यानाद्वा) चित्त को स्थिर करने की शक्ति प्राप्त होती है। ईश्वर का इस रूप में ध्यान किया जा सकता है कि वह सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान सर्वव्यापी सगुण परमेश्वर हैं अथवा इस रूप में भी ध्यान किया जा सकता है कि वह निर्गुण-निरंजन परब्रह्म हैं जिनमें प्रेम, द्वेष, दया, सृष्टि, स्थिति, संहार आदि कोई गुण नहीं हैं। योगदर्शन ईश्वर के विषय में इतना ही कहता है कि वह कोई ऐसे 'पुरुष हैं, क्लेश, कर्म, विपाक और आशय से नित्यमुक्त हैं' (योसू. 124)। ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए कोई यज्ञ-याग या तप-अनुष्ठान योगसूत्रों में नहीं बताया गया है। यदि कोई धर्म-संप्रदाय अपने अनुयायियों को ऐसी कोई बात बतलाता है तो योगसूत्रों में उसका कोई विरोध भी नहीं है, पर योगसूत्र यह अवश्य कहते हैं कि तुम जो कुछ करो, उसे सच्चे हृदय और तन्मय होकर करो मेरे विचार में योगसूत्र तथा अद्वैतप्रतिपादक उपनिषद् ही ऐसे ग्रंथ हैं जिनमें कोई सांप्रदायिकपन नहीं है। योग शिक्षा से अर्थकरी विद्या के अध्ययन में, कृषि और उद्योग-धंधों में, सामरिक शिक्षा में, युद्ध, व्यापार और राज्य शासन में भी काम लिया जाए तो इन क्षेत्रों में भी सफलता निश्चित है। यही तो बात है जिससे रोग मन को हर लेता है। इसमें संदेह नहीं कि योगसूत्रों में जो लक्ष्य सामने रखा गया है, वह दृष्टा का अर्थात आत्मा का अपने स्वरूप में अवस्थान है। इसका यह मतलब है कि योगसूत्रों के सिद्धांतों का निरंतर आचरण करने से चित्त सांसारिक भोगों से विरत होकर निज स्वरूप में स्थिर हो जाता है। चितवृत्तियों का यह निरोध किसी भी धर्म-संप्रदाय की शिक्षा के प्रतिकूल नहीं है। ऐसा स्वरूपावस्थान सांख्य और अद्वैत सिद्धांत का तो प्रतिपाद्य ही है। सगुण ईश्वर को मानने वाले संप्रदायों में भी कोई न कोई महान लक्ष्य सामने रहता ही है। 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है', यह सिद्धांत सर्वमान्य है। लौकिक और पारलौकिक दोनों ही प्रकारों के प्रयासों की सफलता के लिए स्वस्थ शरीर इसीलिए आवश्यक है। योग शिक्षा में आहार-विहार के नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। श्रीमद् भगवद्गीता में स्पष्ट ही कहा है कि जो 'युक्ताहारविहार' नहीं हैं, उन्हें जीवन में कोई सफलता नहीं मिल सकती।

विश्व योग दिवस पर कर सकते हैं ये सरल आसन

विश्व योग दिवस के अवसर पर जानिए ऐसे सरल योगासन जिन्हें करने से हर तरह के शारीरिक रोग और मानसिक रोग में लाभ मिलता है। यदि आपको शरीर में किसी भी प्रकार की कोई गंभीर समस्या नहीं है तो आप इन आसनों को आजमा सकते हैं।

पादहस्तासन (खड़े होकर) - यह आसन खड़े होकर किया जाता है। इसमें हम दोनों हाथों से अपने पैर के अँगूठे या टखने को पकड़कर सिर को घुटनों से टिका देते हैं। पहले कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएँ। फिर दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाया जाता है। हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर प्रेस करते हुए फिर हाथों को सिर के ऊपर तक उठाया जाता है। ध्यान रखें की कंधे कानों से सटे हुए हों।

त्रिकोणासन (खड़े होकर) - त्रिकोण या त्रिभुज की तरह। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। सबसे पले सावधान की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर उठाकर दूसरे से डेढ़ फुट के फासले पर समानांतर ही रखें। मतलब आगे या पीछे नहीं रखना है। अब श्वास भरें। फिर दोनों बाजुओं को कंधे की सीध में लाएं। अब धीरे-धीरे कमर से आगे झुके। फिर श्वास बाहर निकालें। अब दाएं हाथ से बाएं पैर को स्पर्श करें। बाईं हथेली को आकाश की ओर रखें और बाजू सीधी रखें। इस दौरान बाईं हथेली की ओर देखें। इस अवस्था में दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। इसी तरह श्वास निकालते हुए कमर से आगे झुके। अब बाएं हाथ से दाएं पैर को स्पर्श करें और दाईं हथेली आकाश की ओर कर दें। आकाश की ओर की गई हथेली को देखें। दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण होगा। इसी तरह कम से कम पांच बार इस आसन का अभ्यास करें।

उष्ट्रासन (बैठकर) - ऊंट के समान दिखाई देने के कारण उष्ट्रासन। वज्रासन की स्थिति में बैठने के बाद घुटनों के ऊपर खड़े होकर पगथलियों के ऊपर एक-एक कर क्रम से हथेलियां रखते हुए गर्दन को ढीला छोड़ देते हैं और पेट को आसमान की ओर उठाते हैं। ये उष्ट्रासन है।

भुजंगासन (लेटकर) - भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शवासन (लेटकर) - शवासन को करना सभी जानते हैं। यह संपूर्ण शरीर के शिथिलीकरण का अभ्यास है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। समस्त अंग और मांसपेशियों को एकदम ढीला छोड़ दें। चेहरे का तनाव हटा दें। कहीं भी अकड़न या तनाव न रखें। अब धीरे-धीरे गहरी और लंबी श्वास लें। महसूस करें की गहरी नींद आ रही है। इसका अभ्यास प्रतिदिन 10 मिनट तक करें।

ताड़ासन (खड़े होकर) - इससे शरीर की स्थिति ताड़ के पेड़ के समान हो जाती है, इसीलिए इसे ताड़ासन कहते हैं। ताड़ासन और वृक्षासन में फर्क होता है। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। पंजे के बल खड़े रहकर दोनों होथों को उपर ले जाकर फिर फिंगर लॉक लगाकर हाथों के पंजों को ऊपर की ओर मोड़ दें और अर्थात हथेलियां आसमान की ओर रहें। गर्दन सीधी रखें। यह ताड़ासन है।

भुजंगासन (पेट के बल लेटकर) - भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शयन पाद संचालन (पीठ के बल लेटकर) - लेटी हुई अवस्था में पैरों का संचालन करना ही शयन पाद संचालन आसन है। यह ठीक उसी तरह है जबकि कोई बच्चा लेटे-लेटे साइकल चला रहा हो। यह आसन दो तरह से किया जा सकता है। पहला तरीका बहुत ही साधारण है और दूसरा तरीका स्टेप बाई स्टेप है। पीठ के बल भूमि पर लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए। अब धीरे से पैर और हाथ एकसाथ उठाकर हाथ-पैरों से साइकल चलाने का अभ्यास करें। थक जाएं तो कुछ देर शवासन में विश्राम करके पुन- अपनी सुविधा अनुसार यह प्रक्रिया करें।

नौकासन (पेट और पीठ के बल लेटकर) - नियमित रूप से यह आसन न सिर्फ पेट की चर्बी कम करने में मददगार है बल्कि शरीर को लचीला बनाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं में यह काफी फायदेमंद साबित हुआ है। यह आसन पेट के बल और पीठ के बल लेटकर किया जाता है। पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन को विपरीत नौकासन कहते हैं। यह दोनों ही आसन करना चाहिए।

कई देश डॉलर से बनाना चाहते हैं दूरी, गिरती जा रही हिस्सेदारी

- वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया

मुंबई ।

अमेरिका की करेंसी डॉलर करीब आठ दशकों से दुनिया की इकॉनामी पर एकछत्र राज करती आई है। आपसी कारोबार के लिए दुनिया डॉलर पर ही निर्भर रहा है लेकिन अब कई देश डॉलर से दूरी बनाना चाहते हैं। यही वजह है कि दुनिया के सेंट्रल बैंक्स के रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी लगातार गिरती जा रही है।` वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में दुनिया के सेंट्रल बैंक्स में डॉलर का शेयर 58.4 फीसदी रह गया है जो तीसरी तिमाही में 59.2 फीसदी था। साल 2000 में इसकी हिस्सेदारी 71 फीसदी थी। हालांकि यह अब भी दूसरे करेंसीज के मुकाबले कहीं आगे हैं। जैसे चीन की करेंसी युआन की हिस्सेदारी चौथी तिमाही में केवल 2.3 फीसदी थी जबकि यूरो की हिस्सेदारी करीब 20 फीसदी है। दूसरी ओर साल 2023 के अंत में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी 17.6 फीसदी पहुंच गई। यह 27 साल में सबसे ज्यादा है। साल 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो अमेरिका ने उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। पश्चिमी देशों ने रूस का करीब आधा विदेशी मुद्रा भंडार फ्रीज कर दिया। रूस के प्रमुख बैंको को` स्विफ्ट से हटा दिया गया। यह सिस्टम सीमा पार इंटरनेशनल पेमेंट की सुविधा है। चीन का पहले से ही अमेरिका से तनाव चल रहा है। उसे लग रहा है कि अमेरिका उसके साथ भी यही हथियार चल सकता है। इसे देखते हुए रूस और चीन अपना वित्तीय ढांचा तैयार करने में जुट गए। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनामी है, जबकि रूस दुनिया का सबसे बड़ा उर्जा ` निर्यातक है। दोनों देश तेल के लिए युआन में भुगतान कर रहे हैं। सऊदी अरब भी कच्चे तेल

के बदले में चीन से युआन में भुगतान लेने को तैयार है। बाकी देश भी डॉलर का विकल्प सोच रहे हैं। इसमें अमेरिका के करीबी दोस्त भी शामिल हो रहे हैं। इससे डॉलर को झटका लगा है। इस बीच साल की पहली तिमाही में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने रेकॉर्ड 290 टन सोना खरीदा। केंद्रीय बैंकों के भारी मात्रा में सोना खरीदने के कारण सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है।

वोडाफोन ने इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 15,300 करोड़

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की दूरसंचार दिग्गज वोडाफोन पीएलसी ने टावर मैनेजमेंट कंपनी इंडस टावर्स के 48.47 करोड़ शेयर बेचकर 15,300 करोड़ रुपये जुटा लिए। जेपी मॉर्गन के अनुसार यह रो शि वोडाफोन समूह के मौजूदा लेनदारों के कर्ज भुगतान में जाएगी लेकिन इंडस टावर्स को खुद 4,250 करोड़ रुपये से कम रो शि मिलेगी। हिस्सेदारी बिक्री के बाद इंडस टावर्स में वोडाफोन पीएलसी की हिस्सेदारी 21.5 फीसदी से घटकर 3.1 फीसदी रह गई है।

भारती एयरटेल ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि उसने 2.89 करोड़ शेयर का अधिग्रहण किया है और कंपनी की कुल हिस्सेदारी अब करीब 49 फीसदी हो गई है। वोडाफोन पीएलसी ने कहा कि उसे कुल 153 अरब रुपये प्राप्त हुए हैं। इसका उपयोग वोडाफोन के मौजूदा लेनदारों के कर्ज को चुकाने में होगा जो वोडाफोन की भारतीय परिसंपत्तियों के बदले ली गई 1.8 अरब यूरो की उधारी से संबंधित है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि इंडस टावर्स का वोडाफोन पीएलसी की मूल 21 फीसदी हिस्सेदारी को इंडस टावर्स ने भी गिरवी रखा है। उन्होंने इंडस टावर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के साथ बैठक के बाद यह बात कही। विश्लेषक नोट में उसने कहा कि बिक्री के बाद वोडाफोन पीएलसी सबसे पहले प्राथमिक गिरवीदारों के बकाये का भुगतान करेगी और बाकी रकम इंडस टावर्स के बकाए में जाएगी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर अधिकतम 4,250 करोड़ रुपये हो सकती है। भारती इन्फ्राटेल और इंडस टावर्स के विलय के दौरान तय सिक्योरिटी पैकेज में इस बात पर सहमति थी कि वोडाफोन पीएलसी की इंडस टावर्स में 21 फीसदी हिस्सेदारी उसके लेनदारों की तरफ से प्राथमिक गिरवी थी, जो वोडाफोन पीएलसी की तरफ से 2019 में आइडिया के राइट्स इश्यू में भागीदारी के लिए लिए गए 1.4 अरब डॉलर के कर्ज के बदले थी।

जगुआर लैंड रोवर 1.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स की लक्जरी वाहन क`पनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वित्त वर्ष 2028 तक करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये लगाने की योजना बनाई है। इसका बड़ा हिस्सा नए उत्पाद बनाने में खर्च होगा। ब्रिटेन की यह कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 10 फीसदी एबिटा प्राप्त करना चाहती है। अप्रैल 2023 में जेएलआर ने वित्त वर्ष 2028 तक के पांच साल में 15 अरब पाउंड निवेश की योजना बनाई थी। कंपनी ने 2030 तक खुद को इलेक्ट्रिक फर्स्ट लक्जरी क`पनी को प्राथमिकता देने वाली कंपनी बनाने की घोषणा भी की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 अरब पाउंड निवेश किया और वित्त वर्ष 2025 के लिए 3.5 अरब पाउंड के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी द्वारा साझा की गई इन्वेस्टर डे 2024 की प्रस्तुति में कहा गया कि जेएलआर की नजर वित्त वर्ष 2025 में 8.5 फीसदी से अधिक एबिटा मार्जिन हासिल करने पर है। कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक उसे बढ़ाकर 10 फीसदी करना चाहती है। जेएलआर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने पिछले साल कहा था कि क`पनी अपनी रीइमेजिन रणनीति के तहत 2030 तक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट आधुनिक लक्जरी कार विनिर्माता के रूप में पहचान बनाएगी। उन्होंने कहा था कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 तक नकदी के मोर्चे पर शुद्ध रूप से सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगी और 2026 तक दो अंकों का एबिटा हासिल करने के अपने वित्तीय लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024 में 29 अरब पाउंड की रिकॉर्ड आय के साथ जेएलआर ने दमदार प्रदर्शन किया।

सेबी ने रिलिगेयर को दिया ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रिलिगेयर एंटरप्राइजेज (आरईएल) को बर्मन पे रिवार की तरफ से ओपन ऑफर की वैधानिक मंजूरी के लिए 12 जुलाई से पहले आवेदन करने का निर्देश दिया है। पिछले साल सितंबर में बर्मन ग्रुप ने रेल में अतिरिक्त 5.7 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिससे उनकी हिस्सेदारी 26 फीसदी से ज्यादा हो गई और ओपन ऑफर की जरूरत पड़ गई। हालांकि रेल ने सेबी को लिखा कि अधिग्रहणकर्ता फिट और उचित नहीं हैं और बोर्ड ने ओपन ऑफर के लिए आवेदन नहीं किया। सूत्रों के अनुसार बाजार` नियामक द्वारा इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों की अलग से जांच कर रहा है और ओपन ऑफर के इस आदेश में उस मामले का कोई जिक्र नहीं किया है। बर्मन समूह ने आरोप लगाया कि रिलिगेयर बोर्ड ओपन ऑफर में रुकावट डाल रहे थे, जबकि उन्होंने शिकायत की थी कि बर्मन पे रिवार अधिग्रहण के लिए फिट और उचित नहीं थी। सेबी ने कहा कि रेल ने कथित अनियमितताओं को साबित करने वाले कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिए हैं। सेबी ने कहा कि शेयरहोल्डर्स द्वारा उक्त अधिकार के प्रयोग को टारगेट कंपनी के मौजूदा मैनेजमेंट के डिजाइनों के लिए बंधक नहीं बनाया जा सकता है, खासकर ऐसे मामलों में जहां मौजूदा मैनेजमेंट अधिग्रहण करने वालों के प्रति दुश्मनी जैसा व्यवहार कर रहा हो और अधिग्रहण की सुविधा में हितों के टकराव का सामना करना पड़ रहा

हो। बाजार नियामक ने कहा कि नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव के कारण अधिग्रहणकर्ताओं द्वारा शेयरों या नियंत्रण को ओपन ऑफर में लाया जाएगा। नियम केवल कंपनी को ओपन ऑफर के लिए आवेदन करने और किसी यूनिट की हिस्सेदारी 26 फीसदी से पार होने पर मौजूदा शेयरहोल्डर्स को एग्जिट का विकल्प देने की अनुमति देते हैं।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले 4 साल में जोरदार रिटर्न दिया

- कंपनी के शेयरों ने दिया 350 फीसदी का रिटर्न, ब्रोकरेज ने कहा- अभी और ऊपर जाएगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी बजाज इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने पिछले चार साल में जोरदार रिटर्न दिया है। 4 साल में कंपनी के शेयर 358 फीसदी तक ऊपर चढ़े हैं। वहीं पिछले 8 साल में यह शेयर 430 फीसदी ऊपर जा चुका है। इस समय शेयर की कीमत 1050 रुपये हो गई है। बुधवार को बजाज इलेक्ट्रिकल्स का शेयर 1.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ लेकिन ब्रोकरेज अभी इस शेयर में दम देख रहे हैं। एक घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने कहा है कि इस शेयर में अभी बढ़त जारी रह सकती है। इलेक्ट्रिकल उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ कंपनी को मिलेगा। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स के बाजार में कंपनी की पकड़ अच्छी है। ब्रोकरेज के अनुसार कंपनी की ग्रामीण क्षेत्रों में उसके समकक्षों के मुकाबले अच्छी पकड़ है और वहां मांग में सुधार का कंपनी को फायदा मिलेगा। कंपनी के पास अच्छा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। साथ ही कंपनी की 80 साल पुरानी विरासत है जिससे इसे लोगों का भरोसा भी मिलता है। ब्रोकरेज का मानना है कि अभी भी ये शेयर अपने समकक्षों के मुकाबले काफी कम पर कारोबार कर रहा है। उनका कहना है कि इसका मौजूदा प्राइस वित्त वर्ष 27 के ईपीएस (प्रति शेयर अर्निंग) से 28 गुना अधिक है जो इसी सेगमेंट की अन्य कंपनियों के मुकाबले कम है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। कंपनी को बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 1211 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला था जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 1313 करोड़ रुपये था। मार्च तिमाही में कंपनी को 29 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था जो एक साल पहले की समान तिमाही में 52 करोड़ रुपये था। मौजूदा शेयर प्राइस पर कंपनी का मार्केट कैप 12251 करोड़ रुपये है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । ऑयल मार्केटिंग कंपनियां वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल के दाम तय करती है। हर दिन सुबह 6 बजे इनके दाम अपडेट होते हैं। गुरुवार को भी सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट हो गए हैं। देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमश= 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं अगर मुंबई की बात करें तो पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है।

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने कहा कि आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा। एंकर निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे। ब्रोकिंग कंपनियों ने निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,860 करोड़ रुपये बताया गया है। आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है। इसके अलावा, प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है। नए निर्गम से प्राप्त 720 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। दिसंबर, 2023 तक कंपनी के खातों पर कुल कर्ज करीब 808 करोड़ रुपये था।

सरकार ने दो देशों को 2,000 टन गैर-बासमती चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली । सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति प्रदान कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है। अधिसूचना के अनुसार दोनों देशों को 1,000 टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी गई। डीजीएफटी ने कहा` कि एनसीईएल अधिसूचना के माध्यम से मलावी और जिम्बाब्वे को गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात की मंजूरी। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) हैं। जीसीएमएमएफ को अमूल के नाम से जाना जाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ रिकार्ड 77,478 स्तर पर बंद

निफ़्टी भी उछलकर 23,567 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। विदेशी निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार को बल मिला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, और एचडीएफसी बैंक के शेयरों से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,643.09 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद आज फीसदी करीब 141.34 अंक बढ़कर 77,478.93 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.22 फीसदी तकरीबन 51 अंक बढ़कर 23,567 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील 1.67 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेण्ट, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर सनफार्मा का शेयर सबसे ज्यादा 2.24 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, विप्रो, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, टाइटन, मारुति, बजाज फिनसर्व, टीसीएस के शेयर नीचे आये। जानकारों के अनुसार आज दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक जैसे शेयरों में खरीदारी से बाजार को बल मिला

दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल और जापान का टोक्यो बढ़ा है जबकि शंघाई और हांगकांग के बाजार नीचे आये हैं। यूरोपीय बाजारों में भी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिलेजुले

संकेतों की वजह से कारोबारी ` दिन भारतीय शेयर बाजार में हल्की तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 77,400 के ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 23 अंक बढ़कर 23,539 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई लाइफ, एलएंडटी, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, और एमएंडएम बेंचमार्क पर शीर्ष बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में शामिल थे, जो 1.7 फीसदी तक बढ़े। वहीं सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, डिविस लैब्स, नेस्ले इंडिया, और ओएनजीसी शीर्ष गिरावट वाले शेयरों में शामिल थे। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स अपरिवर्तित रहा, और बीएसई स्मॉलकैप ने 0.27 फीसदी की बढ़त हासिल की।

डीजीसीए ने समुद्री विमान परिचालन से जुडे नियम आसान बनाए

मुंबई । विमानन नियामक डीजीसीए ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे। इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा। संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी। डीजीसीए ने कहा` कि डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं। नए मानदंडों के तहत वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेन-रेटेड पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

आरबीआई ने द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाओं के अभाव के कारण द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया। रिजर्व बैंक ने कहा कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के लिए कहा गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपए की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने कहो ` कि बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 87 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 14 जून, 2024 तक बैंक के संबंधित जमाकर्ताओं से प्राप्त इच्छा के आधार पर कुल बीमित जमाराशियों में से 230.99 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि मुंबई स्थित सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

महाराष्ट्र में नया बंदरगाह बनाने 76,200 करोड़ का प्रस्ताव मंजूर

बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड करेगी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कई परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र के वधावन में नया बंदरगाह बनाने के लिए 76,200 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके साथ मंत्रिमंडल ने वाराणसी हवाई अड्डे के विकास के लिए 2,869 करोड़ रुपये और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 7,453 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इस बंदरगाह परियोजना का निर्माण वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) करेगी जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) की विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) है। इसमें जेएनपीए की 74 फीसदी और एमएमबी की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि वधावन में बनने वाला यह बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मी डिया से चर्चा में कहा कि इस परियोजना से 12 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं को व्यवहारिक बनाने के लिए 7,453 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी मिली है। इस योजना में एक गीगावाट की अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना और चालू करने के लिए 6,853 करोड़ रुपये का परिव्यय तथा अपतटीय पवन ऊर्जा

परियोजनाओं की लॉजिस्टिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दो बंदरगाहों के उन्नयन के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में हवाई अड्डे के विकास में नए टर्मिनल भवन का निर्माण, पार्किंग और हवाई पट्टी का विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक और अन्य कार्य शामिल हैं। इस पर 2,869.65 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

योगा दिवस पर दिया भरत ने खास संदेश: शेमारू उमंग

मुंबई : शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में सिद्धार्थ का किरदार निभा रहे भरत अहलावत न केवल अपने आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, बल्कि इंडस्ट्री में सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं। भरत ने कहा फिट रहना और अच्छा दिखना अक्सर आवश्यक होता है और योग दिवस पर, भरत ने कुछ बातें भी साझा की। अभिनेता भरत बताते हैं, एक कलाकार के तौर पर हमारे लिए फिट रहना साथ ही सकारात्मक मानसिक स्थिति बनाए रखना बहुत जरूरी है। साफ तौर पर कहा जाए तो शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। एक ओर जिम वर्कआउट हमारे शरीर को फिट बनाए रखने में मदद करता है जबकि योगा हमें मानसिक रूप से सुकून देता है। योगा का अभ्यास मेरे लिए बहुत लाभकारी रहा है। योगा एक प्राचीन प्रथा है जो कई तरीकों से लाभकारी सिद्ध हुई है।

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव

डॉ. वंदना सेन

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है।

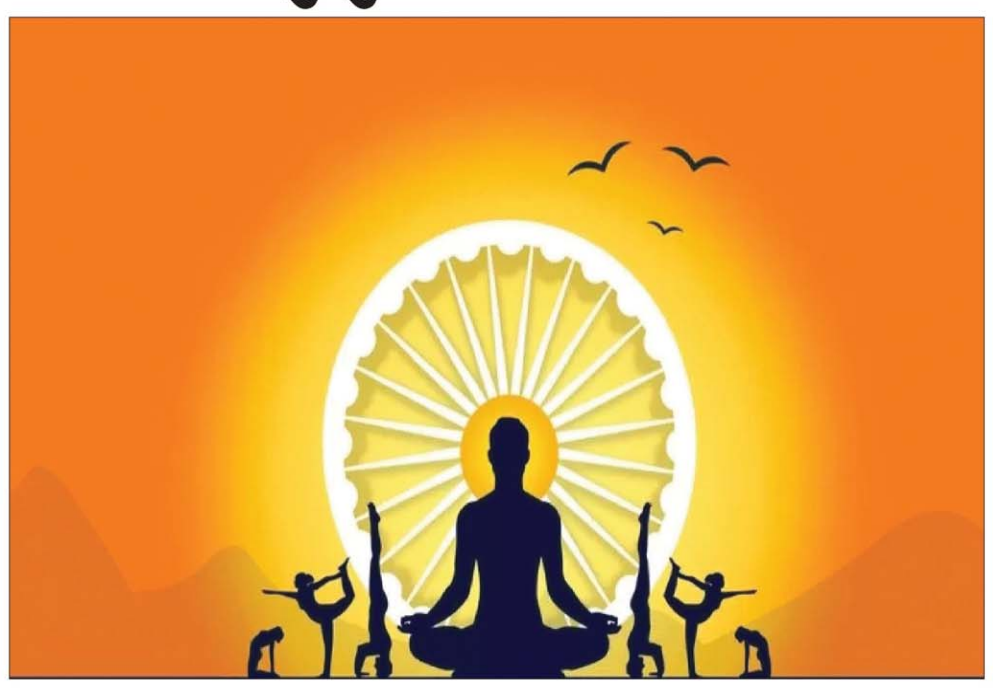

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव विश्व को कल्याण का मार्ग दिखाने के लिए भारत का चिंतन पुरातन काल से रहा है। विश्व का कल्याण करने का भाव भारतीय चिंतन में हमेशा से रहा है। वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षण प्रदान नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत देने का संदेश दिया है। वास्तव में योग में राजनीति देखना संकुचित मानसिकता का परिचायक है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया है, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत तथा सामूहिक उत्थान से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा था और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों एवं अप्रवासी भारतीयों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं। जैसे ही नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के मेडीसन एस्क्वायर में भारतीय शक्ति का प्रस्फुटन किया, वैसे ही भारत के नागरिकों के अंदर गौरव का अहसास तो हुआ ही साथ ही विश्व के विकसित देश भारत को अपना समकक्ष मानने लगे।

भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो काई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानाकिता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है।

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। आज सबसे ज्यादा तनाव का जीवन मुस्लिम देशों में दिखाई देता है। वहां केवल मारकाट की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं है। इन देशों में हमेशा अशांति का वातावरण दिखाई देता है और सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। यह इस बात का ध्यान रखना होगा कि आध्यात्मिकता और ध्यान योग के मामले में हम विश्व के सभी देशों से बहुत आगे हैं। इस बारे में दुनिया का ज्ञान भारत के समक्ष अधूरा ही है। भारत को जब तक इस बात का बोध था, तब तक विश्व का कोई भी देश भारत का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखता था। आज इस शक्ति के प्रदर्शन की शुरूआत हो चुकी है, जरूरत इस बात की है कि हम सभी सरकार के कदम के साथ सहयोग का भाव अपनाकर अपना कार्य संपादित करें। आने वाले समय में भारत का भविष्य उज्जवल है।

संपादकीय

शीर्ष अदालत का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ मंगलवार को पांच मई को हुई परीक्षा में छात्रों को कृपांक दिए जाने समेत अन्य शिकायतों से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ अब 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाओं में परीक्षा में अनियमितता बरते जाने की सीबीआई जांच और नीट-यूजी परीक्षा नये सिरे कराने की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। अदालत ने एनटीए और केंद्र सरकार से याचिकाओं पर दो हफ्ते के भीतर अपने जवाब दाखिल करने को कहा है। लोक सभा चुनाव परिणाम आने की गहमागहमी के बीच ही नीट-यूजी 2024 परीक्षा के परिणाम भी घोषित किए गए थे। अनेक परीक्षार्थियों के टॉपर्स होने और खासी संख्या में परीक्षार्थियों को कृपांक दिए जाने की जानकारी होने के बाद लगा कि दाल में कुछ काला है। बाद के घटनाक्रम में कुछ गिरफ्तारियां हुई और पटना से लेकर गोधरा तक कई परीक्षा केंद्रों पर व्यापक स्तर पर अनियमितताएं बरती जाने की बातें सामने आने लगीं। परीक्षा में धांधली के संकेत मिलने लगे और परीक्षार्थियों के परिजनों के साथ ही अनेक संगठनों और राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन करने शुरू कर दिए। कुछ परीक्षार्थियों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। मेडिकल की पढ़ाई पर अभिभावक खासा खर्च करते हैं। अभ्यर्थी छात्र सामाजिक जीवन से कटकर मेडिकल पाठयक्रम में प्रवेश परीक्षा की तैयारी में रात-दिन एक कर देते हैं। दरअसल, अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों में सीटें पर्याप्त नहीं हैं। जरूरी है कि सरकार सीटें बढ़ाने के लिए ढांचागत आधार को मजबूत करे। एनटीए के वजूद में आने से पहले सीबीएसई और राज्य शिक्षा बोर्ड पीएमटी की परीक्षा आयोजित करते थे जिसके आधार पर प्रवेश आसानी से मिल जाता था। लेकिन इस बीच अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने और एनटीए जैसे निकाय को मेडिकल के अलावा अन्य तमाम परीक्षाओं का आयोजन करने की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इतने बोझ से एनटीए का ढांचा कमजोर दिखलाई पड़ने लगा है, उसके सामने मैनपावर की समस्या भी है। बहरहाल, जरूरी हो गया है कि छात्रों के साथ न्याय हो और इसके लिए रि-नीट-यूजी के अलावा कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

विश्व संगीत दिवस : संगीत है शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम

ललित गर्ग

संगीत मानव जगत को ईश्वर का एक अनुपम दैवीय वरदान है। यह न सरहदों में कैद होता है और न भाषा में बंधता है। माना हर देश की भाषा, पहनावा और खानपान भले ही अलग हों, लेकिन हर देश के संगीत में सभी सात सुर एक जैसे होते हैं और लय-ताल भी एक-सी होती है। संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। विशेषज्ञों की मानें, संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देती है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। रोज की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच संगीत आपको सुकून के पल बिताने का मौका देता है। साथ ही संगीत आपके अकेलेपन का एक बढ़िया साथी भी बन सकता है। संगीत की इसी खासियत को सभी तक पहुंचाने के लिये 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम है 'एक वैश्विक ध्वनि वाली दुनिया का सामना करना।'

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। विश्व संगीत दिवस कुल 17 देशों में ही मनाया जाता है इसमें भारत, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्रिटेन, लक्समवर्ग, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, कोस्टारीका, इजाराइल, चीन, लेबनाम, मलेशिया, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलीपींस, रोमानिया और कोलम्बिया शामिल हैं। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य अलग-अलग तरीके से लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे। लांगफेलों के अनुसार संगीत मानव की विश्वव्यापी भाषा है।ह्न विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसिक शांति के लिए संगीत को अहम माना गया है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत आपके मूड, भाव और विचारों पर असर डालने की ताकत रखता है। एक अध्ययन के अनुसार, जोशीला संगीत कुछ समय में ही मूड को तरोताजा कर देता है। संगीत के सात स्वर बीमारियों को छूमंतर कर सकते हैं। संगीत मन के भाव को बयां करने का बेहद सरल तरीका है। संगीत में लय, ताल का समावेश है तो संगीत थिरकने पर मजबूर कर देता है। लेकिन यही संगीत हमारे स्वास्थ्य को भी बेहतर कर सकता है। वैदिक काल में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जिनसे यह पूरी तरह से प्रमाणित होता है कि उस समय संगीत चिकित्सा शिखर पर रही होगी। ऊं का नाद स्वर इसी संगीत चिकित्सा का सर्वोपरि उदाहरण है। संगीत के हर राग में रोग निरोधक क्षमता है। राग पूरिया धनाश्री अनिद्रा दूर करता है, तो राग मालकौंस तनाव से निजात दिलाता है। राग शिवरंजिनी मन को सुखद अनुभूति देता है। राग मोहिनी आत्मविश्वास बढ़ाता है। राग भैरवी ब्लड प्रेशर और पूरे तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित रखता है। राग पहाड़ी स्नायु तंत्र को ठीक करता है। राग दरबारी कान्हड़ा तनाव दूर करता है तो राग अहीर भैरव व तोड़ी उच्च रक्तचाप के लिए कारगर है। दरबारी कान्हड़ा अस्थमा, भैरवी साइनस, राग तोड़ी सिरदर्द और क्रोध से निजात दिलाता है।

आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि मधुर संगीत आत्मा के ताप का नाश कर सकता है। हमारे सुख-दुःख का साथी है संगीत, जो स्नेहसिक्त क्षणों में हमें अपनी बाहों में भर लेता है और पीड़ा के समय किसी अच्छे-सच्चे मित्र की तरह हाथ थामे साथ चलता है। आपका सबसे प्रिय गीत आपके एक खराब दिन और मूड को सामान्य कर देने की क्षमता रखता है और आपको विश्वास होने लगता है कि दुनिया उतनी भी बुरी नहीं जितना कि कुछ पल पहले आप महसूस कर रहे थे। स्मृतियों के सुनहरे पृष्ठ भी संगीत की धुन पर अपनी थाप देने लगते हैं। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

भीषण गर्मी में मजदूरों की फिक्र भी जरूरी

देश में पड़ रही भीषण गर्मी से डेली वर्कर्स, विशेषकर डिलीवरी कर्मियों, ईंट-भट्ठों पर काम करने वालों और दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए कामकाजी परिस्थितियां गंभीर हो गई हैं। भीषण गर्मी ने खुला काम करने वाले वर्कर्स के लिए कठोर कार्य स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। इस भीषण गर्मी में कई लोग खुले वातावरण और गर्म मौसम में काम करने के लिए मजबूर हैं। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भारत में हाल ही में कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच दआ, जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इजाफा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और जोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं । ये नौकरियां लचीलापन प्रदान करती हैं , लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोजगार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है।

अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अकसर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वगीकृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतस मय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफार्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा।

– प्रियंका सौरभ

मालिक , प्रकाशक और मुद्रक, सरवर जमाल ने आर० डी० प्रिंटस एण्ड पब्लीशर प्रा०लि० प्लाट नं०- 16-17 पाटलिपुत्रा इन्ड्रस्टीयल एरिया रोड नं०-9 पटना - 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी ब्लाक रंजित रेसीडेन्सीज, साकेत पूरी, मछली गली, राजा बजार पटना पिन- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादकः शबाना प्रविन * पी.आर.बी.एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार। PRGI NO - BIHHIN/2023/86924,E-mail:newsindogulf 730@gmail.com Mob--9472871824/8544031786 मैनेजिंग एडिटर : डा0 राजिव कुमार, सब एडिटर : डा0 नुतन कुमारी

राहत: बॉम्बे HC ने हटाई हमारे बारह की रिलीज पर लगी रोक

अन्नू कपूर की विवादों में घिरी फिल्म 'हमारे बारह' के कास्ट एंड क्रू को लगातार बलात्कार और जान से मारने की धमकियां मिल रही थी। फिल्म की रिलीज पर भी रोक लगाई गई थी, लेकिन अब बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद मेकर्स को बड़ी राहत मिल गई है। फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को बॉम्बे हाई कोर्ट ने हटा दिया है। इसके साथ ही हमारे बारह को महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म बताया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। वहीं, बुधवार को फैसला सुनाते हुए हमारे बारह को रिलीज की अनुमति दे दी है।

महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म

जस्टिस बीपी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की डिवीजन ने हमारे बारह की रिलीज की अनुमति देते हुए कहा कि ये मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाती है और न ही कुरान की शिक्षाओं को लेकर कोई गलत बात करती है। न्यायालय ने कहा कि ये फिल्म, जो जनसंख्या वृद्धि के कारण के कारण जबरदस्त चर्चा का विषय हुई है, असल में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है। अन्नू कपूर की हमारे बारह अपने ट्रेलर के कारण विवाद में आई थी, जिसे कोर्ट ने भी आपत्तिजनक बताया था।

फिल्म देखने के बाद बेंच ने कहा कि फिल्म से सभी आपत्तिजनक दृश्य हटा दिए गए हैं। इसके साथ ही मेकर्स को 5 लाख रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है, क्योंकि उन्होंने अप्रमाणित सीन के साथ हमारे बारह का ट्रेलर रिलीज कर दिया था।

बता दें, हमारे बारह पहले 14 जून को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी, लेकिन एक दिन पहले कोर्ट ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। वहीं, अब फिल्म को रिलीज करने की अनुमति दे दी गई है और यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पंचायत निदेशक दीपक कुमार मिश्रा ने अरुणाभ कुमार के लिए अपनी भावनाओं को किया व्यक्त

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत के डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा ने एक दिल छू लेने वाले सोशल मीडिया पोस्ट में, शो की सफलता में अहम भूमिका निभाने के लिए द वायरल फीवर के को-फाउंडर अरुणाभ कुमार को धन्यवाद दिया है। यह सीरीज, अपनी मनोरंजक ग्रामीण जीवन और मजाकिया कहानी के लिए जानी जाती है, इसने अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होने के बाद से ही दर्शकों का दिल जीता है। दीपक मिश्रा ने अपनी पोस्ट में अरुणाभ कुमार को उनके क्रिएटिव विजन पर विश्वास करने और पूरे प्रोडक्शन प्रोसेस के दौरान अमूल्य समर्थन देने का श्रेय देते हुए कहा, सर, मुझ पर और मेरी कहानियों पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। आपके रचनात्मक सहयोग के बिना मैं ये सब नहीं कर पाता। सर, हर चीज के लिए धन्यवाद और मेरे मार्गदर्शक बनने के लिए धन्यवाद .

उसे समझाया था नहीं माना

सलमान को धमकी देने वाले यूटूबर का बयान चर्चा मे

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। वैसे तो यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी लेकिन इस फिल्म को लेकर अभी से ही क्रेज देखने को मिल रहा है। बताते चलें की इस फिल्म में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगी। इसी बीच मुंबई पुलिस ने सलमान खान फायरिंग केस से संबंधित एक नया केस रजिस्टर किया था।

इस मामले में पुलिस ने राजस्थान से एक शख्स को गिरफ्तार किया था। इस शख्स ने यूट्यूब पर 'आरे छोड़ो यार' नाम के चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें इसने लॉरेंस गैंग पर चर्चा की थी। साथ ही सलमान खान को जान से मारने की धमकी भी दी थी। यह मामला मुंबई के साउथ साइबर ग्रांट रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी को आज कोर्ट में पेश भी किया गया था। कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इस दौरान कोर्ट में मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से 19 ईमेल आईडी भी बरामद की गई हैं।

आरोपी ने कबूल की प्लान में शामिल होने की बात

पुलिस पूछताछ में 25 साल के बनवारीलाल लटूरलाल गूजर ने कबूल किया है कि वह सलमान खान के ऊपर हमले वाले प्लान में शामिल था। उसने आगे कहा कि 'सलमान खान को समझाया था कि लेकिन ये माना नहीं। हमारा ईगो हर्ट हुआ है। सलमान के पास Y+ सिक्योरिटी है। जो हमसे टकराएगा, उसे मिट्टी में मिला देंगे।'

सलमान खान ने दर्ज करवाया था बयान

मालूम हो कि सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को हमला हुआ था। घटना के दो महीने बाद सलमान खान ने हाल ही में मुंबई पुलिस के पास अपने बयान दर्ज करवाए हैं। सलमान ने पुलिस से कहा कि 'बार-बार अलग-अलग लोगों के निशाने पर आने से मैं थक गया हूं। पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, जुर्माने लगे हैं। कई केसों में फंसा हूं। मैं फ्रस्ट्रेट हो चुका हूं। मैं पहले से ही कोर्ट से सजा पा चुका हूं। पुलिस ने सलमान खान से तीन साल तक पूछताछ की। बता दें कि सलमान खान के घर पर हुए हमले की लॉरेंस ग्रुप ने जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन सभी आरोपियों पर मकोका की धाराएं लगाई गई थीं।

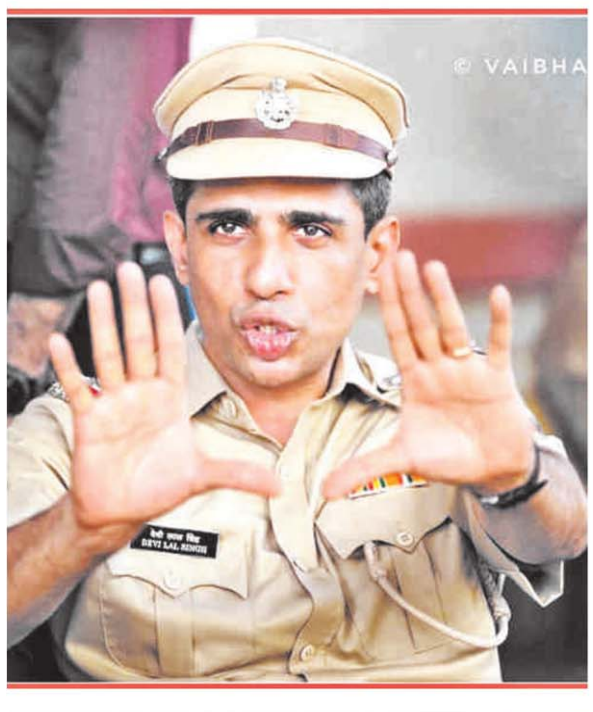

किरदार के लिए समझौता नहीं किया जा सकता : गुलशन

शैतान, हंटर, गन्स एंड गुलाब्स, दहाड़ और अन्य में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्टर गुलशन देवैया ने कला की दुनिया में नैतिकता पर अपनी राय शेयर की। गुलशन ने कई शानदार फिल्मों में ग्रे शेड वाले किरदार निभाए हैं। दिबाकर बनर्जी की घोस्ट स्टोरीज में नरभक्षी की भूमिका से लेकर 4 कट आत्माराम नामक कसाई कॉन्ट्रैक्ट किलर की भूमिका तक, एक्टर ने सभी किरदार बखूबी निभाए हैं।

एक्टर के अपने कुछ नैतिक मूल्य हैं जिनके बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार के लिए उनसे समझौता नहीं किया जा सकता। गुलशन ने बताया कि नैतिकता का विषय बहुत व्यक्तिपरक है। कला की दुनिया में नैतिकता का पता लगाना और उसके बारे में बात करना एक मुश्किल काम है। मैं इस पर अपना निश्चित और बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण रख सकता हूं, क्योंकि मैंने इस बारे में सोचा है। मेरे पास नैतिकता का अपना सेट है जो कभी-कभी किसी विशेष चरित्र के रास्ते में आ सकता है। उन्होंने आगे बताया कि मैं शायद उन भूमिकाओं को न अपनाऊं जो मेरी नैतिकता से टकराती हैं और मैं खुद को गुलशन के रूप में उस भूमिका में पेश नहीं कर पाऊंगा। अगर मैं उसके लिए तैयार नहीं हूं तो उसमें प्रामाणिकता और दृढ़ विश्वास की कमी नजर आएगी। एक्टर का मानना है कि स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी की भावना भी आनी चाहिए।

समाज को सही रास्ते पर बनाए रखने के लिए एक खींचतान की आवश्यकता है।गुलशन अगली बार आगामी क्राइम-थ्रिलर सीरीज बैड कॉप में दोहरी भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह 21 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

काम्या पंजाबी ने इश्क जबरिया में अपने किरदार के बारे में किया खुलासा

काम्या पंजाबी टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा है। इन दिनों वह सीरियल इश्क जबरिया में मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने शो के यूनिक कॉन्सेप्ट के बारे में खुलकर बात की और अपने किरदार के बारे में खुलासा किया। इश्क जबरिया सामाजिक मुद्दे पकड़वा विवाह पर आधारित है। शो के कॉन्सेप्ट के बारे में बात करते हुए काम्या ने कहा कि मैं नए शो पर काम करने को लेकर एक्साइटेड हूं, जो हमारे देश में मौजूद एक सामाजिक मुद्दे पर आधारित है। इश्क जबरिया के साथ, हम कोई बदलाव करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम इस समस्या को मनोरंजक तरीके से दिखा रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं टीम के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं, और दोनों लीड एक्टर्स सिद्धि शर्मा और लक्ष्य खुराना अद्भुत कलाकार हैं, और वे शानदार काम कर रहे हैं।

काम्या ने अपने किरदार मोहिनी के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इसमें कई उतार-चढ़ाव होंगे। मेरे किरदार के कई रूप हैं। मैं अपनी इस भूमिका को पिछले किरदारों से अलग बनाने और स्क्रीन पर कुछ नया लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। इश्क जबरिया प्यार, मजबूती और सामाजिक बाधाओं के खिलाफ दिल को छू लेने वाली कहानी है। इसकी शूटिंग बिहार के बेगूसराय में हो रही है। यह गुलकी (सिद्धि शर्मा) की कहानी है, जो एयर होस्टेस बनना चाहती है, लेकिन उसकी सौतेली मां उसके सपनों के बीच रूकावट पैदा करती है। शो में काम्या पंजाबी, सिद्धि शर्मा और लक्ष्य खुराना लीड रोल में हैं। इश्क जबरिया सन नियो पर प्रसारित होता है।काम्या ने अपने करियर में नेगेटिव किरदार ज्यादा निभाए हैं। वह रेत, अस्तित्व-एक प्रेम कहानी और बनूं मैं तेरी दुल्हन में वैंप को रोल किया। वह अंबर धारा, पिया का घर, डोली अरमानों की, मर्यादा- लेकिन कब तक, शक्ति जैसे सीरियल्स में भी नजर आई।

उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों कहो ना प्यार है, ना तुम जानो ना हम, यादें और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी जैसे फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स के लिए ऐड भी किए।

पहली बार

तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां की भूमिका निभा रहीं हैं अपर्णा दीक्षित

एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पहली बार पर्दे पर टीवी शो तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इसी तरह की परिपक्व प्रेम कहानी की तलाश में थीं। अपर्णा ने कहा कि वह इस शो में पहले निभाई गई भूमिका से काफी अलग नजर आएंगी। प्यार की लुका छुपी और वो तो है अलबेला जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मैं पहली बार स्क्रीन पर मां का किरदार निभा रही हूं। यह एक ऐसा शो है, जिसकी शुरुआत से ही मैं इसमें मां की भूमिका निभा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि इसकी कहानी आशावादी और सम्मोहक है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद से कहा कि मैं यह शो करूंगी, क्योंकि इसमें एक अलग तरह का फ्लेवर है। अब तक मैंने जिन टीवी शो में काम किया है, उनमें से ज्यादातर प्रेम कहानियां थीं। यह भी एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह एक बहुत ही गहरी और परिपक्व कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बुरा समय और भाग्य आपस में जुड़ते हैं।

आगे कहा, बुरे समय में साथी अक्सर हार मान लेते हैं लेकिन इस कहानी में खूबसूरती से दिखाया गया है कि कैसे एक पति अपनी पत्नी का ऐसे समय पर समर्थन करना जारी रखता है। वह उसके साथ खड़ा रहता है, उसे ठीक होने में मदद करता है और उसे अपनी बेटी से फिर से मिलाता है। यह एक ऐसे पति की कहानी है जो अपने संघर्षों के बावजूद अपनी पत्नी का उसके सबसे बुरे समय में साथ देता है।

चरित्र को निभाते समय सामने आई चुनौतियों के बारे में अपर्णा ने कहा, मैं कुछ अलग करना चाहती थी और यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है। यह जटिल भावनाओं के साथ मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है। मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करेंगे क्योंकि यह भावनात्मक और संवेदनशील दोनों तरह का शो है। उन्होंने कहा कि एक मां और उसके बच्चे के बीच का रिश्ता बेहद संवेदनशील और मार्मिक होता है। एक भावुक व्यक्ति के रूप में इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इस भूमिका को लेकर बहुत खुश हूं। मैंने पहले कभी टीवी पर एक मां की भूमिका नहीं निभाई। एक्ट्रेस ने कहा कि मैंने पहले भी कई तरह की प्रेम कहानियों में काम किया है। लेकिन यह भूमिका मेरे लिए बहुत नई और चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक मां और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है। तुलसी हमारी बड़ी सयानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

वसई मर्डर केस पर बोली रवीना टंडन

मुंबई से सटे वसई इलाके में मंगलवार के दिन एक प्रेमी ने प्रेमिका की बीच सड़क पर हत्या कर दी। आरोपी ने लोहे के रिंच से लड़की के सिर पर कई बार वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी कितनी बेदर्दी से घटना को अंजाम दे रहा है और पब्लिक वहां से निकलती जा रही है। किसी ने उस सनकी शख्स को रोकने की कोशिश नहीं की। इस वीडियो को लेकर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने एक्स पर शेयर किया है और अपना गुस्सा जाहिर किया।

रवीना टंडन ने एक्स पर एक मीडिया संस्थान की पोस्ट शेयर कर गुस्से में लिखा, 'वहां पर खड़े सभी लोग उसे आसानी से बचा सकते थे...शर्म की बात है। मेरा खून खौलता है यह देखकर कि कोई भी आगे नहीं आया। कभी-कभी किसी को बस होश में रहना चाहिए। उसके पास कोई नुकीली चीज नहीं थी, वहां बस दो लोगों की हिम्मत की जरूरत थी। इस तरह के बदमाश वास्तव में कायर होते हैं। जैसे ही वो विरोध होता देखते हैं तो भाग जाते हैं। ऐसे झूठे लोग झूठ के पीछे छिपते हैं'।

रवीना टंडन पिछले काफी दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं। रवीना का पिछले दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें भीड़ ने उनको घेरा था और एक्ट्रेस पर रोड रेज का आरोप लगा था।

सुमोना चक्रवर्ती को बैंकवालों ने इस कारण लोन देने से कर दिया था मना

टीवी एक्ट्रेस और कपिल शर्मा के साथ लंबे समय काम कर चुकीं सुमोना चक्रवर्ती इन दिनों रोहित शेट्टी के साथ रोमानिया में शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है और अपने मुश्किल समय को याद किया है।

उन्होंने बताया कि कैसे पहला घर खरीदने के दौरान उन्हें परेशानियां हुई थी। बैंकों ने लोन देने से मना कर दिया था।

द कपिल शर्मा शो में अलग-अलग किरदार निभाकर सबकी चहेती बनीं सुमोना चक्रवर्ती इन दिनों खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 की शूटिंग कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्होंने मुंबई में खुद का घर खरीदने में कितनी मुश्किलों का सामना किया। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह जो काम करती हैं, उसमें कोई एक फिक्स्ड सैलरी नहीं होती इसलिए बैंकों ने उन्हें लोन देने से ही मना कर दिया था। उन्होंने बताया, मैंने अपना पहला घर 26 साल की उम्र में खरीदा था। यह मुंबई में एक छोटा सा अपार्टमेंट है और हर कोई जानता है कि यहां रियल एस्टेट बहुत बढ़िया है। एक्टर्स के पास ऑफिस-स्ट्रक्चर्ड सैलरी स्लिप या मंथली पेमेंट तय नहीं होती। मुझे अभी भी याद है कि कैसे बैंक वाले मुझे लोन देने से हिचक रहे थे, क्योंकि मेरा कोई फिक्स्ड मंथली सैलरी नहीं थी। 20,000 रुपये महीना कमाने वाला कोई व्यक्ति, बैंक के लिए एक्टर की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होता है, क्योंकि इसमें जोखिम ज्यादा होता है।

मिर्जापुर-3 रसिका दुग्गल ने शेयर किया नया पोस्टर, छोटे बच्चे के साथ आई नजर

वेब सीरीज 'मिर्जापुर-3' का ट्रेलर कल रिलीज होने वाला है। इसका इंतजार मिर्जापुर के फैंस को बहुत दिनों से था। ये सीरीज 5 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। इससे पहले बीना त्रिपाठी ने कुर्सी के खेल के लिए कमर कस ली है। उनका एक लेटेस्ट पोस्टर इंटरनेट पर वायरल है। इसमें वो एक छोटे बच्चे को लिए दिखाई दे रही हैं।

उनके सामने चेस रखा हुआ है। इसे खुद बीना का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने शेयर किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा- छोटा प्यादा बड़े खेल की तैयारी? इस पोस्टर को AI द्वारा बनाया गया है। मगर ये पोस्टर इतना दमदार है कि आते ही वायरल हो गया। इसे देखने के बाद लोग कहने लगे कि मिर्जापुर की गद्दी पर तो राज बीना त्रिपाठी का ही होगा। इस सीरीज में इस बार अखंडानंद और गुड्डू भैया के साथ ही बीना भाभी भी गद्दी के लिए लड़ती दिखाई देंगी। 'मिर्जापुर-3' में पंकज त्रिपाठी और अली फजल लीड रोल में हैं. इसके अलावा विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, राजेश तैलांग, हर्षिता कौर, अंजुम शर्मा, शीबा चड्ढा जैसे स्टार्स इस बार दिखाई देंगे। इस सीरीज का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने मिलकर किया है।

नेपाल-श्रीलंका मुकाबला बारिश की वजह से रद्द

साउथ अफ्रीका इस वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम ; अब तक तीनों मुकाबले जीते

फ्लोरिडा (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में नेपाल और श्रीलंका के बीच का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में पहुंचने वाली टीम बन गई। नेपाल और श्रीलंका के बीच यह मुकाबला फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में होना था, लेकिन बारिश की वजह से मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसके बाद दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट्स मिला। ग्रुप-डी में इस मुकाबले के नहीं होने की वजह से साउथ अफ्रीका सुपर-8 में पहुंच गई, क्योंकि टीम ने खेले अपने तीनों मैच जीते थे। वहीं, श्रीलंका के टॉप-8 में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। श्रीलंका को अब तक खेले तीन मैचों में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मुकाबला रद्द हो गया। उसके पास सिर्फ 1 पॉइंट है। टीम का आगे का सफर बाकि टीमों के मुकाबलों में निर्भर करेगा।

श्रीलंका के कप्तान हसरंगा टॉप विकेट टेकर

श्रीलंका के कप्तान वानिन्दु हसरंगा टी-20 में टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 67 मैचों में 6.85 की इकोनॉमी से 108 विकेट लिए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले दो मुकाबलों में हसरंगा ने 2-2 विकेट झटके हैं। वहीं, सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 47 रन की शानदार पारी खेली थी। वह, कुल 50 टी-20 मुकाबले में 1281 रन बना चुके हैं। हालांकि, दोनों के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है।

नेपाल के कप्तान रोहित के पास लंबी पारी खेलने की क्षमता: नेपाल के कप्तान रोहित कुमार पौडेल ने अभी तक कुल 50 मुकाबलों में 1143 रन बनाए हैं। वह 123.70 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हैं। नीदरलैंड के खिलाफ हुए मैच में उन्होंने 35 रन बनाए। वहीं, बैटिंग ऑलराउंडर कुशाल मल्ला तेज बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने 40 टी-20 मुकाबलों में 780 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने कनाडा के खिलाफ हुए वॉर्मअप में 37 रन की पारी खेली थी।

पॉसिबल प्लेइंग-11

श्रीलंका- वानिन्दु हसरंगा (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा, चरिथ असलंका, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, महीश तीक्षणा, मथीश पथिराना और नुवान थुषारा।

नेपाल- रोहित कुमार (कप्तान), कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख (विकेटकीपर), अनिल साह, कुशाल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, अविनाश बोहरा, सागर धाकल।

संक्षिप्त समाचार

आलोचनाओं के बीच न्यूयॉर्क की पिच पर बोले जॉनसन- इससे मुकाबला बराबरी का बन जाता है

न्यूयॉर्क । नासाउ काउंटी मैदान की पिच की मौजूदा टी20 विश्व कप में कड़ी आलोचना की जा रही है, लेकिन कनाडा के सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन को इससे कोई शिकायत नहीं है और उनका मानना है कि इससे छोटी टीमों के लिए भी मुकाबला बराबरी का बन जाता है।

जॉनसन ने पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को 44 गेंद पर 52 रन बनाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनकी टीम हालांकि जीत दर्ज नहीं कर पाई। पाकिस्तान ने 107 रन का लक्ष्य

हासिल किया और इस मैदान पर सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने वाली टीम बनी। जॉनसन ने मैच के बाद कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह सर्वश्रेष्ठ पिच है। यह मुश्किल पिच है लेकिन जब टी20 क्रिकेट की शुरुआत हुई थी तो 120 से लेकर 130 रन का स्कोर अच्छा माना जाता था।

उन्होंने कहा, अब सपाट विकेट बनने लग गए हैं तो टीम 200 रन से भी अधिक का स्कोर बना रही हैं। मेरा मानना है कि इस तरह की पिच भी होनी चाहिए। इससे मुकाबला बराबरी का हो जाता है तथा केवल पाकिस्तान ही नहीं अन्य टीमों के खिलाफ भी हमारे पास मौका होता है।

जॉनसन ने पाकिस्तान के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करते हुए कनाडा को आक्रामक शुरूआत दिलाई। उन्होंने कहा, 'यह मेरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ पारी है और आप जानते हैं कि पाकिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण कितना अच्छा है। यह मेरी दो सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है।

हारिस रऊफ सबसे तेज 100 टी20 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

न्यूयार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ 100 टी20 विकेट लेने वाले ओवरऑल तीसरे तो बतौर तेज गेंदबाज पहले क्रिकेटर बन गए हैं। हारिस ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2024 में कनाडा के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराई। अपनी घातक गेंदों से हारिस रऊफ को इस मुकाम तक पहुंचने में 71 मैच लगे हैं। हारिस के लिए फिलहाल टी20 क्रिकेट विश्व कप अच्छा जा रहा है। उन्होंने पहला मुकाबला यूएसए के खिलाफ खेला था जिसमें 37 रन देकर 1 विकेट लिया था। इसके बाद भारतीय टीम के खिलाफ लयदार गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर 3 विकेट लिए थे। फिर कनाडा के खिलाफ उन्होंने 26 रन देकर 2 विकेट लिए और कनाडा को 106 रन पर ही रोक दिया।

सबसे तेज 100 टी20 विकेट (तेज गेंदबाज)

71 - हारिस रऊफ, पाकिस्तान
72 - मार्क अडायर, आयरलैंड
72 - बिलाल खान, ओमान
76 - लसिथ मलिंगा, श्रीलंका

बता दें कि ओवरऑल लिस्ट देखें तो अफगानिस्तान के राशिद खान इस लिस्ट में टॉप पर हैं। उन्होंने महज 53 मैचों में 100 विकेट पूरे कर लिए थे। इसके बाद श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा (63 मैच) का नाम आता है। हारिस अब ओवरऑल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

विश्व कप क्वालिफाइंग

भारत ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने 'गोल की गहन जांच की मांग है।

मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत की 1-2 की हार के दौरान रैफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी जबकि इससे पहले ही गेंद खेल के मैदान से बाहर जा चुकी थी। इस गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के टूर्नामेंट के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में प्रवेश से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है। ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच के आयोजन की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाएगा।

मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लाह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। गुरप्रीत हालांकि मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया।

गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ी हालांकि उस समय हताश हो गए जब रैफरी ने कतर को गोल दे दिया और मेहमान टीम के कड़े विरोध के बावजूद मैदानी अधिकारी अपने फैसले पर बरकरार रहा।

नियम के अनुसार अगर गेंद 'गोल लाइन या टचलाइन से मैदान पर या हवा में पूरी तरह से बाहर निकल जाती है तो उसे खेल से बाहर माना जाएगा। भारत के कोच इगोर स्टिमक ने बाद में निराशा जताते हुए कहा कि इस गोल ने उनकी टीम के सपने को खत्म कर दिया। गुरप्रीत ने भी इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा करार दिया।

नेट रन रेट जेहन में था लेकिन पिच ने टारगेट मुश्किल बना दिया : बाबर

न्यूयॉर्क । पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने मंगलवार को यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में कनाडा को सात विकेट से हराने के बाद कहा कि नेट रन रेट की बात उनके जेहन में थी लेकिन पिच ने इसे मुश्किल बना दिया। बाबर ने कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी। हमने गेंदबाजी में अच्छी शुरूआत की। पाकिस्तान को अपना नेट रन रेट पॉजिटिव करने के लिए इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल करने की जरूरत थी। उसे अमेरिका (0.626) से ज्यादा नेट रन रेट करने के लिए इसे 13.5 ओवर में हासिल करना था, पर पाकिस्तान ने 15 गेंद रहते कनाडा पर जीत हासिल की जिससे अब उसका नेट रन रेट -0.150 से 0.191 हो गया है। लेकिन अब भी वह अमेरिका से पीछे है और अगले दौर में जगह बनाने के लिए उसे आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को होने वाले मैच में जीतने के साथ उम्मीद करनी होगी कि अमेरिका अपने दोनों मैच हार जाए। बाबर ने कहा कि हमारे जेहन में नेट रन रेट की बात थी लेकिन पिच के कारण मुश्किल हुई।

यूएसए अभी भी मुसीबत है पाकिस्तान के लिए- भले ही कनाडा के खिलाफ पाकिस्तान जीत गई है लेकिन अभी भी उनके लिए विश्व कप से बाहर होने का खतरा बना हुआ है। पाकिस्तान को कनाडा के खिलाफ उक्त मुकाबला बड़े अंतर से जीतने की जरूरत थी ताकि वह यूएसए की नेट रन रेट को टक्कर दे सके। पाकिस्तान ने भले ही कनाडा को 106 रन पर रोक दिया लेकिन खुद 18वें ओवर में जीत हासिल की। इससे उन्हें नेट रन रेट में ज्यादा फायदा नहीं मिला। यूएसए की नेट रन रेट फिलहाल +0.626 है। अगर वह भारत को टक्कर देने में सफल रहे तो वह प्लस में ही रहेगी। वहीं, पाकिस्तान को आगामी मुकाबला बड़े अंतर में जीतना होगा ताकि वह यूएसए की नेट रन रेट को पीछे छोड़कर सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर सके। हालांकि इसके लिए पाकिस्तान के लिए जरूर है कि यूएसए भारत के बाद आयरलैंड से भी मुकाबला हारे।

टिम पेन ने ऑस्ट्रेलिया से किया आग्रह, स्कॉटलैंड मैच में 'हेरफेर' कर इंग्लैंड को बाहर करें

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन चाहते हैं कि मिशेल मार्श और उनकी टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच में 'हेरफेर' करे जिससे कि इंग्लैंड को टी20 विश्व कप से बाहर किया जा सके। गत चैंपियन इंग्लैंड बारिश के कारण एक मैच रद्द होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार के बाद मुश्किल स्थिति में है और उसकी सुपर आठ में जगह बनाने की राह आसान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है। पेन ने कहा, 'बिल्कुल उन्हें ऐसा (परिणाम में हेरफेर) करना चाहिए और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ दिनों में लोगों से इस बारे में बात की है। मैं पूरी तरह गंभीर हूं। ग्रुप बी की मौजूदा स्थिति के अनुसार इंग्लैंड सिर्फ एक अंक और माइनस 1.800 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है।

आज उम्मीदें जीवंत रखने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे बांग्लादेश और नीदरलैंड

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाने के लिए गुरुवार को यहां एक दूसरे का सामना करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी से शीर्ष पर रहकर पहले ही अगले दौर में जगह बना चुका है। बांग्लादेश इस ग्रुप में अभी दूसरे स्थान पर है। उसके और नीदरलैंड के समान दो दो अंक हैं। बांग्लादेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर दूसरे स्थान पर है। नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक हैं लेकिन उनके पास भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में जगह बनाने का मौका है। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दो विकेट से हराया था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके बल्लेबाज अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे थे और उसे चार रन से हार का सामना करना पड़ा था। नीदरलैंड की टीम भी पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी और वह भी वापसी करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।

टीम इस प्रकार हैं

बांग्लादेश-नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तनजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम और तनजीम हसन साकिब।

नीदरलैंड-स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगन वैन बीक, मैक्स ओ-डॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, सिब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा और वेस्ले बैरेसी।

दिल्ली के श्रेयस दास नें जीता खेलो चैस इंडिया फीडे 100 इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट

भोपाल (एजेंसी)। विश्व शतरंज के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में चेसबेस इंडिया द्वारा स्थानीय कोलार स्थित सेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित खेलो चैस इंडिया इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का खिताब दिल्ली के श्रेयस दास नें अपने नाम कर लिया। श्रेयस नें टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अंतिम राउंड में उनसे ड्रॉ खेलने वाले मध्य प्रदेश के रेवांश वैद्य 7.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे।

तीसरा स्थान मिला मध्य प्रदेश के अनिल कुशवाहा को जिन्होने अंतिम राउंड में प्रदेश के हर्षित डावर को मात देते हुए 7.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरा स्थान हासिल किया। 7 अंक बनाकर राजस्थान के ओजश जोशी बेहतर टाईब्रेक के साथ पर चौंथे स्थान पर रहे वहीं सातवे राउंड में उलटफेर का शिकार हुई टॉप सीड कोलंबिया की एंजेला फ्रांकों वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर टाईब्रेक के आधार पर

7 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रही, एंजेला टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी रही। अन्य खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के हर्षित डावर, दिल्ली के कथन खुराना, मध्य प्रदेश के मीतांश दीक्षित, हरयाणा के मिलिंद पारले 7 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर छठे से नौवे स्थान पर रहे जबकि 6.5 अंक बनाकर मध्य प्रदेश के कामद मिश्रा बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दसवें स्थान पर रहे।

इस प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 68 नए खिलाड़ियों को फीडे आईडी मिली तो करीब 20 नए खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग भी प्राप्त हुई। प्रतियोगिता में भारत के 10 राज्यों और भारत के बाहर से कोलम्बिया से कुल 174 खिलाड़ियों नें भाग लिया। सागर शाह नें किया पुरूष्कार वितरण प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण में भारत के जाने माने और दुनिया के सबसे बड़े शतरंज विश्लेषक में शुमार इंटरनेशनल मास्टर सागर शाह नें सभी खिलाड़ियों को खास तौर पर मुंबई से भोपाल आकर पुरुस्कार वितरित किये। एंजेला और माधवेन्द्र नें खेला साइमल शतरंज अंतिम राउंड के बाद पुरूष्कार वितरण के ठीक पहले भोपाल में पहली बार एक साथ दो खिलाड़ियों नें साइमल शतरंज का प्रदर्शन किया।

कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला नें और भोपाल के अंडर 10 एशियन चैम्पियन माधवेन्द्र प्रताप शर्मा नें 10 10 खिलाड़ियों के साथ एक साथ शतरंज के मुक़ाबले खेले। इसके अलावा एक खास कार्यक्रम के तहत सभी खिलाड़ियों और अतिथियों नें भारत के डी गुकेश को आने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में शुभकामनए देने के लिए संदेश भी लिखे।

सात्विक-चिराग ने नंबर एक रैंकिंग गंवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से हटने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चैंग नई पुरुष युगल नंबर एक जोड़ी है। उनके बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत चार स्थान गिरकर 32वें स्थान पर खिसक गए हैं जबकि प्रियांशु राजावत (34वें स्थान पर) और किरण जॉर्ज (एक स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं।

सऊदी अरब में मरने वाले 900 से अधिक हाजियों में 35 पाकिस्तानी

रियाद। सऊदी अरब में इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आए 900 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें कम से कम 35 पाकिस्तानी तीर्थयात्री शामिल हैं। सरकार ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम के कारण हज यात्रा चुनौतीपूर्ण थी, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि सोमवार को मक्का की मस्जिद-ए-हरममें तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पाकिस्तान हज मिशन के महानिदेशक अब्दुल वहाब सूमरो ने बुधवार को बताया कि खबर के अनुसार 18 जून तक कुल 35 पाकिस्तानी हज यात्रियों की मौत हुई हैं। डॉन अखबार में सूमरो के हवाले से कहा गया कि मक्का में 20, मदीना में छह, मीना में चार, अराफात में तीन और मुजदलिफा में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सऊदी सरकार ने हरमैन में दफनाने की व्यवस्था की है और अगर कोई पाकिस्तानी हजयात्री मांग करे तो उसके शव को उसके उत्तराधिकारियों के माध्यम से वापस देश भेजने के भी प्रबंध किए गए हैं। सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर मौतों की जानकारी नहीं दी है, हालांकि उसने सिर्फ रविवार को ही ''भीषण गर्मी'' से निढाल होने वालों के 2700 से अधिक मामलों की सूचना दी है। सूमरो ने आम नागरिकों से हज यात्रियों की कठिनाइयों के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही पोस्टों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह वास्तविक नहीं है।

मलेशिया जा रही फ्लाइट.... अचानक क्यों हैदराबाद लौटी

कुआलालंपुर। मलेशिया की ओर जा रही एक फ्लाइट ने हैदराबाद से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही समय के बाद फिर से हैदराबाद एयरपोर्ट पर लैंड करना पड़ा। फ्लाइट फिर से कुछ ही समय में हैदराबाद लौट आई। मलेशिया एयरलाइंस ने गुरुवार को पुष्टि की कि हैदराबाद से कुआलालंपुर जाने वाली एक उड़ान को 'इंजन में समस्या के कारण' वापस राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। मलेशिया एयरलाइंस का बयान एक वीडियो के बाद आया है, जिसे एक यात्री ने रिकॉर्ड किया था, जिसमें विमान के इंजन से चिंगारी निकलती दिखाई दे रही थी, और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। हालांकि, बयान में घटना की वास्तविक प्रकृति पर कोई टिप्पणी नहीं की गई, जिसके कारण पायलटों को हैदराबाद लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मलेशिया की सेपांग स्थित ध्वजवाहक कंपनी ने कहा, विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 3:21 बजे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा, सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित रूप से उतर गए। इसमें कहा गया है, प्रभावित यात्रियों को उनकी यात्रा जारी रखने के लिए अन्य उड़ानों में भेजा जाएगा। विमान को आगे की जांच के लिए फिलहाल जमीन पर रखा गया है। मलेशिया एयरलाइंस के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उड़ान भरने वाले विमान में 138 यात्री सवार थे। सूत्रों के अनुसार, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैदराबाद में आपातकालीन प्रोटोकॉल के साथ विमान को उतारा गया। हाल ही में, न्यूजीलैंड के क्वीन्सटाउन से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न जा रहे वर्जिन ऑस्ट्रेलिया के एक यात्री विमान को न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि आग लगने के बाद उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया था। हालांकि आग लगने का सटीक कारण ज्ञात नहीं हो सका है, लेकिन वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि यह घटना संभावित पक्षी के टकराने के कारण हुई।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान...चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला। दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता। यह दक्षिण चीन सागर में एक प्रकार की लूट थी। इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए थी। हम चीन से अपने हथियार वापस करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने चाकुओं से हमारे जहाजों पर हमला किया। हथौड़े से जहाजों को नुकसान पहुंचा।

कंगाल पाकिस्तान ने बकरीद में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईद उल अजहा से जुड़ी एक नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ हैं कि पूरे पाकिस्तान में 12 लाख से ज्यादा पशुओं की बलि दी गई। इनकी कीमत 500 अरब पाकिस्तानी रुपए है। रिपोर्ट के मुताबिक बलि देने वाले जानवरों में 290,000 गायें, 330,000 बकरियां, 385,000 भेड़ और 98000 ऊंट शामिल हैं। इसके अलावा 165000 भैसों की भी बलि दी गई। बलि दिए गए जानवरों का कुल्य वित्तीय मूल 500 अरब रुपये से ज्यादा था। अनुमान के मुताबिक सिर्फ खाल की कीमत 85 अरब रुपये है। रिपोर्ट में भीषण गर्मी और जलवायु परिवर्तन के कारण 40 फीसदी खाल के संभावित नुकसान के बारे में भी चिंता जाहिर की है। आमतौर पर पाकिस्तान का चमड़ा उद्योग बकरीद के दौरान खाल की वार्षिक मांग का 20 फीसदी पूरा कर लेता है। हालांकि इस साल माना जा रहा है कि मौजूदा आपूर्ति 20 फीसदी से ज्यादा कम हो सकती है। पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को ईद-उल-अजहा पर जानवरों की कुर्बानी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अहमदिया समुदाय को देश में गैर-मुस्लिम घोषित किया गया है, जिसके मद्देनजर उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई। देश में अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के पदाधिकारी आमिर महमूद ने बताया कि समुदाय के कम से कम 36 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर पंजाब प्रांत से हैं। पाकिस्तान के आर्थिक संकट के बीच ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाया।

दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट्स....भारत की जारा शतावरी भी शामिल

लंदन। मिस वर्ल्ड और मिस यूनिवर्स जैसे ब्यूटी पेजेंट्स के बाद अब दुनिया में पहला एआई ब्यूटी पेजेंट होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई मॉडल्स के बीच हो रही प्रतियोगिता को ब्रिटेन की फैनव्यू कंपनी वर्ल्ड एआई क्रिएटर अवॉर्ड्स के साथ मिलकर आयोजित कर रही है।

इस प्रतियोगिता में 2 एआई जजों के अलावा पीआर एडवाइजर एंड्रयू ब्लोच और बिजनेसमान सैली ऐन-फॉसेट भी बतौर जज मौजूद रहने वाले हैं। पेजेंट के पहले चरण में 1500 प्रतिभागियों के बीच से टॉप 10 एआई मॉडल्स का चयन किया गया है। अब इनमें शुरुआती 3 पायदान पर जीत हासिल करने वाली मॉडल्स को प्राइज दिया जाएगा। मिस एआई बनने वाली मॉडल को 10.84 लाख रुपए के अलावा उस बनाने वाले क्रिएटर को पब्लिक रिलेशंस के लिए 4.17 लाख रुपए दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के टॉप 10 प्रतिभागियों में भारत की एआई मॉडल जारा शतावरी भी शामिल हैं। जारा को एक मोबाइल ऐड एजेंसी के सह-संस्थापक राहुल चौधरी ने बनाया है। जारा एक हेल्थ और फिटनेस इन्फ्लूएंसर हैं। उनका सोशल मीडिया पेज भी है, जहां वह हेल्थ और फैशन से जुड़ी टिप्स देती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 8 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपनी ज्यादातर तस्वीरों में जारा योग के साथ हेल्दी खाने से जुड़ी बातें बता रही हैं। जारा इस ब्यूटी एजेंट में एशिया से चुनी गईं 2 मॉडल्स में से एक हैं।

कुवैत में बिजली की कमी के कारण कई इलाके अंधेरे में डूबे नजर आ रहे। यहां गर्मी बढने के साथ ही बिजली की मांग बढ़ने के बाद ग्रिड पर दबाव काफी बढ़ गया है।

सुनीता विलियम्स अब 26 जून को पृथ्वी पर लौटेंगी

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 26 जून तक टल गई है। बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल में थ्रस्टर से जुड़े इश्यू और शेड्यूल्ड स्पेसवॉक के कारण इसे टाला गया है। ये तीसरा मौका है जब विलियम्स और विल्मोर की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि लैंडिंग को 18 जून तक आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके बाद वापसी को बढ़ाकर 22 जून किया गया। दोनों एस्ट्रोनॉट स्टारलाइनर कैप्सूल और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे।

रूस एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम करेगा तैनात, अमेरिका चिंतित

-अमेरिकी एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम

मास्को (एजेंसी)। रूसी सेना की ओर से लेटेस्ट जेनेरेशन की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम एस-500 की तैनाती की घोषणा की है। रूसी एयर डिफेंस अमेरिकी एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए खतरा है। यह रूसी एस-500 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एफ-35 और एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ लड़ाकू विमानों को रोकने में सक्षम होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एस-500 की तैनाती परीक्षण के बाद की गई है। रूस ने एस-500 को इसके पूर्ववर्ती एस-400 से अपग्रेड करते हुए तैयार किया है। इसकी तैनाती यूक्रेन के खिलाफ महत्वपूर्ण स्थान पर की है। रूस ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में उसके एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान हुआ है। एस-500 सिस्टम हाइपरसोनिक मिसाइलों, विमानों और यहां तक कि कम-कक्षा के उपग्रहों को भी टारगेट कर सकता है।

रूस ने क्रीमिया में इस एयर सिस्टम की तैनाती की है, जो रणनीतिक महत्व को रूसी सैन्य रसद पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण गलियारा है। यूक्रेन और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच एस-500 की उपस्थिति वायु रक्षा शक्ति के संतुलन में बड़ा बदलाव है। ये अत्याधुनिक अमेरिकी लड़ाकू जेटों से जुड़ी हवाई गतिविधियों को भी रोकेगा। एस-500 एयर डिफेंस के रडार और टारगेट सिस्टम दुनिया में सबसे अच्छे माने जाते हैं, जो 600 किलोमीटर तक अपने लक्ष्य को पहचान सकते हैं। यह लंबी दूरी की क्षमता सिस्टम को अपने जुड़ाव क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले लक्ष्यों को अच्छी तरह से पहचानने और ट्रैक करने की इजाजत देती है। मारक क्षमता के संदर्भ में एस-500 कई लक्ष्यों के लिए तैयार की और कई मिसाइलों से सुसज्जित है। ये मिसाइलें 200 किलोमीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं, जिससे एस-500 अपने मध्य-चरण के दौरान बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और कम-कक्षा उपग्रहों को संलग्न करने में सक्षम है।

अमेरिकी वायुसेना के लिए बेहद अहम एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लाइटनिंग द्वितीय जैसे स्टील्थ विमानों को लक्षित करने की प्रणाली की क्षमता एस-500 के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एस-500 उन्नत रडार तकनीक का इस्तेमाल करता है जो उन विमानों का पता लगा सकता है, जिन्हें पारंपरिक रडार प्रणालियों से बचने के लिए डिजाइन किया है। इसके अलावा एस-500 एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। यह इसे ऐसे खतरे वाले माहौल में प्रभावी बनाता है, जहां आने वाले कई खतरों को कुशलता से संबोधित कर सकता हो।

चीनी सेना भष्ट्राचार में डूबी... नाराज जिनपिंग ने दी चेतावनी

-सेना कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से वफादार रहे

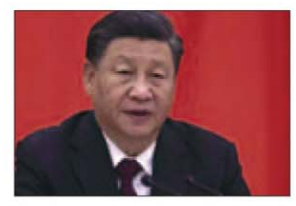

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की सेना पीएलए में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार पर बुरी तरह से नाराज हो गए हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि सेना में किसी भ्रष्ट व्यक्ति के लिए छिपने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि सेना चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति पूरी तरह से निष्ठा दिखाए। उन्होंने कहा कि चीनी सेना के राजनीति, विचारधारा, काम की शैली और अनुशासन में बहुत गहराई तक समस्याएं हैं। जिनपिंग ने संकेत दिया कि अभी सेना के अंदर भ्रष्टाचार के खिलाफ और ज्यादा सख्त कार्रवाई होगी। इससे पहले चीनी राष्ट्रपति ने 12 से ज्यादा सीनियर जनरल और रक्षा उद्योग के अधिकारियों को पद से बर्खास्त कर दिया था। जिनपिंग ने पीएलए के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को पैदा करने वाली परिस्थितियों खत्म करें। उन्होंने कमांडरों से कहा कि वे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अपने अभियान को दोगुना करें। शी के बयान के बाद चीनी सेना की क्षमता पर सवाल खड़े हो रहे है। जिनपिंग ने बार-बार सैन्य कमांडरों को चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार से दूर रहें। उन्होंने कहा कि अगर सेना में अनुशासन नहीं रहता है,तब उनकी पश्चिमी देशों की सेना से मुकाबला करने की योजना को पलीता लग जाएगा।

दरअसल चीनी सेना पिछले साल से ही भ्रष्टाचार निरोधक अभियान चला रही है। चीनी सेना के 9 जनरल और रक्षा उद्योग के कम से कम 4 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें रणनीतिक रूप से अहम पीएलए की रॉकेट फोर्स भी शामिल है जो देश के रणनीतिक और परमाणु मिसाइलों की देखरेख करती है। इसके अलावा चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को भी उनके पद से हटा दिया गया था। उन्हें हटाने की चीन ने कोई वजह नहीं बताई थी। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक ली शांगफू के खिलाफ सैन्य उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। चीन ने हथियारों की खरीद पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं ताकि साल 2050 तक देश की सेना को विश्वस्तरीय बना दिया जाए। चीन की नजर ताइवान से लेकर भारत तक पर है और बड़े पैमाने पर सैन्य तैयारी कर रहा है।

उत्तर कोरिया के बाद वियतनाम पहुंचे पुतिन

हाओई (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उत्तर कोरिया के साथ रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद गुरुवार को वियतनाम पहुंचे। पुतिन का वियतनामी उप प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा और पार्टी के शीर्ष राजनयिक ले होई ट्रुंग ने रेड कार्पेट पर स्वागत किया।

वियतनाम, जो आधिकारिक तौर पर विश्व शक्तियों के साथ अपने संबंधों में एक तटस्थ विदेश नीति का पालन करता है, जिसे वह बांस कूटनीति कहता है, ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से परहेज किया है, एक ऐसा रुख जिसे पश्चिमी देश क्रेमलिन के बहुत करीब मानते हैं। यूक्रेन युद्ध पर वियतनाम के संतुलित रुख की

हालाँकि उत्तर कोरिया और रूस दोनों को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, वियतनाम ने अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सावधानीपूर्वक गठबंधन बनाए हैं। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल अकादमी में वियतनाम सुरक्षा के विशेषज्ञ कार्ल थायर ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन की उत्तर कोरिया और वियतनाम की यात्रा यह प्रदर्शित करने के लिए है कि रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी प्रयास काम नहीं कर रहे हैं और रूस के एशिया में साझेदार हैं। मई में पाँचवें कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद से, चीन और उत्तर कोरिया के बाद पुतिन द्वारा दौरा किया जाने वाला दक्षिण-पूर्व एशियाई देश तीसरा देश होगा।

प्रमुख भागीदार अमेरिका, जिसने पिछले साल हनोई के साथ राजनयिक संबंधों को उन्नत किया और जो वियतनाम का शीर्ष निर्यात बाजार है, ने पुतिन की यात्रा का विरोध किया।

हनोई में अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, किसी भी देश को पुतिन को उनके आक्रामक युद्ध को बढ़ावा देने और अन्यथा उनके अत्याचारों को सामान्य बनाने का मंच नहीं देना चाहिए। रूस ऐतिहासिक रूप से वियतनाम का प्रमुख सैन्य आपूर्तिकर्ता रहा है, इसलिए किसी भी संभावित हथियार सौदे पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

पाकिस्तानी आवाम की आवाज, एटम बम नहीं... हमें रोटी, अस्पताल और स्कूल चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वैश्विक हथियार ट्रैकर रिपोर्ट के अनुसार भारत का परमाणु हथियार भंडार 25 वर्षों में पहली बार पाकिस्तान से बड़ा हुआ है। भारत के पास अब 172 हथियार हैं। एसआईपीआरआई की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल अपने जखीरे में आठ परमाणु हथियार जोड़े हैं, जिससे उसके हथियारों की संख्या 164 से बढ़कर 172 हो गई। वहीं पाकिस्तान का परमाणु भंडार 170 पर स्थिर है। 1999 के बाद यह पहली बार है कि भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। इस खबर के बाद पाकिस्तानियों ने जमकर अपनी सरकार और सेना को सुनाया है।

पाकिस्तानी राजनेता और फौज के लोग अक्सर ही अपने परमाणु हथियारों की चर्चा करते रहे हैं। इस लेकर पाकिस्तानी खुद ही अपनी तारीफ करते हैं। अब पाकिस्तान इस मामले में भी भारत से पिछड़ गया है। इस पर

पाकिस्तानी आवाम का कहना है कि दशकों से नेता बम की रट लगाते रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के नेताओं को समझना चाहिए कि देश लोगों के मजबूत होने से होता है ना कि बम से ये होगा। मलिक हारुन ने कहा कि सरकार वे कदम उठने चाहिए कि आम लोगों की माली हालत ठीक हो, यहीं से तरक्की के रास्ते खुल सकते है। उन्होंने कहा कि परमाणु बम के बिना भी दुनिया के बहुत से देश बेहद खुशहाल हैं, इसके बाद बम के बजाय हमें इकॉनमी पर ध्यान देना चाहिए।

गुलफाम ने कहा, ये एटम बम फिजूल की चीज है, ये कभी नहीं चलने हैं। इनकी किसी को जरूरत नहीं है। हमें जरूरत रोटी, अस्पताल और स्कूल की है। हम तो ऐसा समझते हैं कि पाकिस्तान के लोग इस चक्कर में ना पड़ें बल्कि भारत के लोग भी इस दौड़ में ना पड़ें। ये किसी काम के नहीं हैं। हमारे देश से ही अलग हुए बांग्लादेश के पास एटम बम नहीं है लेकिन वहां मुल्क बीते कुछ सालों में भारत और पाकिस्तान दोनों से आगे बढ़ा है। इसी तरह से अरब और यूरोप के कई मुल्कों के पास बहुत छोटी सी फौज है, लेकिन वहां खुशहाली पाकिस्तान, भारत और दूसरे कई परमाणु हथियार वाले देशों से बहुत ज्यादा है। कमर मुनीर ने कहा, भारत से मुकाबला करने की बातें ही बेवजह की हैं। पाकिस्तान के जो हालात आज के वक्त में हैं, वे इसतरह के नहीं हैं कि किसी से लड़ सकें। आवाम महंगाई से मरी जा रही है। किसानों को सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं।

कौन हैं नैंसी पेलोसी..... जो चीन को फूटी आंख नहीं भाती

- पहले ताइवान अब दलाईलामा से मुलाकात

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद का एक ताकतवार प्रतिनिधिमंडल इन दिनों भारत दौरे पर है। प्रतिनिधमंडल में अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी शामिल हैं, जिन्होंने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की। लेकिन चीन को ये मुलाकात पंसद नहीं आई। नाराजगी में चीन ने अमेरिकी डेलिगेशन को चेतावनी तक दे डाली। नैंसी पेलोसी सहित अमेरिकी प्रतिनिधियों ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की है। लेकिन मुलाकात का असल मकसद उस बिल पर चर्चा करना है, जिस पर जल्द अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन हस्ताक्षर कर सकते हैं। बिल का उद्देश्य चीन पर दबाव बनाना है ताकि वह तिब्बत के साथ चल रहे विवाद को निपटा सके। यह बिल 12 जून को अमेरिकी संसद में पारित हुआ था। बिल में अमेरिका, तिब्बत के इतिहास, लोगों और संस्थाओं के बारे में चीन की ओर से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार से निपटने के लिए फंड मुहैया कराएगा।

अब सवाल है कि नैंसी पेलोसी क्यों चिढ़ता है चीन?

नैंसी पेलोसी का ताल्लुक राजनीतिक परिवार से रहा है। 84 साल की नैंसी पेलोसी 5 बच्चों की मां और नौ बच्चों की दादी हैं। पेलोसी अक्सर कहती हैं कि उनका इरादा कभी राजनीति में आने का नहीं था। नैंसी के पिता थॉमस डीएलेसेंड्रो जूनियर ने बाल्टीमोर के मेयर के रूप में काम किया है। उन्होंने पांच बार कांग्रेस में शहर का प्रतिनिधित्व किया। नैंसी के भाई थॉमस डीएलेसेंड्रो-3 ने भी बाल्टीमोर के मेयर के तौर पर काम किया। पेलोसी अक्सर अपने पिता के चुनावी अभियानों में भाग लेती थीं। उन्हें वोट बटोरने में महारत हासिल है।

ओबामा के पूर्व मुख्य रणनीतिकार डेविड एजेलरोड ने नैंसी से पूछा था कि उन्होंने अपने पिता से क्या सीखा। इसके जवाब में पेलोसी ने कहा कि मैंने उनसे वोट इकट्ठे करना सीखा है।

पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गई थीं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया है। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा था। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ था।

पेलोसी डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़े होने वालीं आखिरी शख्स थीं। पेलोसी ने सुनिश्चित किया था कि ट्रंप दो बार महाभियोग चलाने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति बनें। दूसरा प्रयास उनके कार्यकाल की समाप्ति से केवल सात दिन पहले किया गया था, जहां एक तरफ उनके उग्र व्यक्तित्व ने उन्हें हमेशा विरोध के निशाने पर रखा, तब वहीं दूसरी तरफ उन्हें पसंद करने वाले लोगों की भी कमी नहीं रही है। बीते साल अगस्त में नैंसी तब चर्चा में आई थीं, जब वे अमेरिका की हाउस

स्पीकर के पद पर रहते हुए ताइवान के दौरे पर गई थीं। उनके इस दौरे का चीन ने जबरदस्त विरोध किया था। दरअसल, ताइवान को चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। इसके बाद चीन ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामला : पेंडिंग केस की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली । नीट यूजी 2024 पेपर लीक से संबंधित मामले में अलग-अलग हाई कोर्ट में पेंडिंग केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। दरअसल, एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर देश भर के अलग-अलग हाईकोर्ट में पेंडिंग नीट से संबंधित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की गुहार लगाई है। इसके साथ अलग-अलग हाई कोर्ट में होने वाली नीट की सुनवाई पर रोक की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों में नीट की सुनवाई पर रोक लगा दी लेकिन फिर कहा हैं कि वह काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएंगे। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि दाखिला प्रक्रिया इस याचिका के परिणाम पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने मामले में दाखिल ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस जारी किया।

इस दौरान एनटीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट में पेंडिंग केस की सुनवाई पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। इस दौरान शुरुआत में सुप्रीम कोर्टने कार्यवाही पर रोक संबंधित आदेश पारित करने पर अनिच्छा जाहिर की थी। दरअसल, हाईकोर्ट ट्रांसफर पिटिशन पर नोटिस के बाद आमतौर पर सुनवाई नहीं करता है। हालांकि,एनटीए के वकील वर्धमान कौशिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद भी हाई कोर्ट मामले को डील कर कर रहा है। तब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में चल रहे इस मामले से संबंधित सुनवाई पर रोक लगाई। सुप्रीम कोर्ट में एनटीए की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि इससे संबंधित एक मामला राजस्थान हाई कोर्ट, दो मामले कलकत्ता हाई कोर्ट और एक याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच में पेंडिंग है।

6 साल के बच्चे की हार्ट सर्जरी में देरी... एनएचआरसी ने दिल्ली एम्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकारी आयोग ने 6 साल के बच्चे के हार्ट सर्जरी में देरी पर दिल्ली एम्स को नोटिस भेजा है। बच्चे को 2019 से ही दिल की बीमारी है, तब से उसके माता-पिता दिल्ली एम्स के चक्कर काट रहे हैं। हर बार उन्हें सर्जरी की तारीख मिलती हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं होता। एनएचआरसी ने मामले को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक रिपोर्ट पर संज्ञान लेकर दिल्ली एम्स को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट में 6 साल के एक बच्चे के दिल के ऑपरेशन में लगभग छह साल की अभूतपूर्व देरी का मामला सामने आया था। बेगूसराय का रहने वाला यह बच्चा 2019 में महज तीन महीने का था, तब बच्चे को दिल की बीमारी का पता चला था। बच्चे के माता-पिता का कहना है कि जब से उन्हें इस बीमारी के बारे में पता चला है, तब से लेकर अब तक वे कई बार एम्स का चक्कर लगा चुके हैं। हर बार उन्हें डॉक्टरों ने सर्जरी की नई तारीख दे दी, लेकिन ऑपरेशन नहीं हो सका। एनएचआरसी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में जो कुछ भी कहा गया है, अगर वह सच है, तब यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। स्वास्थ्य और मेडिकल सुविधाएं हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। एम्स एक प्रतिष्ठित सरकारी हेल्थ संस्थान है, जहां देश भर से लोग अपने प्रियजनों का इलाज कराने के लिए आते हैं। आयोग ने माना कि देश के सरकारी अस्पतालों में कई तरह की बाधाएं हैं, लेकिन यह जानकर दुख होता है कि एक मासूम बच्चा गंभीर हालात के बावजूद छह साल से दिल की सर्जरी का इंतजार कर रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। एनएचआरसी ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव और एम्स के निदेशक को नोटिस जारी कर एक हफ्ते के अंदर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

प्राचार्य को ऑफिस में मारी गोली, दो संदिग्ध हिरासत में

नालंदा। नालंदा में एक सरकारी हाईस्कूल के प्राचार्य को उसके ऑफिस में घुसकर बदमाश ने गोली मारी दी। इससे घायल हो गए। घटना के बाद आनन-फानन में प्राचार्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। यह घटना एकंगरसराय प्रखंड के तेल्हाड़ा हाईस्कूल की है। प्राचार्य का नाम संतोष कुमार है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि एक बदमाश ऑफिस के गेट पर खड़े होकर कुछ कह रहा है लेकिन, प्राचार्य अपनी कुर्सी पर बैठे हैं। कुछ देर बाद बदमाश हाथ में पिस्टल लिए अंदर घुसता है और फायरिंग कर देता है। पहली गोली मिस हो जाती है। फिर दूसरी बार पैर पर गोली मारता है। बदमाश एक के बाद एक गोली चलाकर वहां से फरार हो जाता है। प्राचार्य के बाया पैर में गोली लगी है। घायल प्राचार्य को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज जारी है। प्राचार्य ने पुलिस को बताया कि बदमाश उन्हें पहले बाहर बुला रहा था। जब बाहर नहीं निकले तो ऑफिस में घुसकर गोली मार दी। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले भी स्कूल परिसर के बाहर छात्रों के साथ मारपीट की थी। लेकिन पुलिस ने पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया था। हिलसा डीएसपी-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि दो संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चार लोगों की भूमिका सामने आई है। प्राचार्य को गोली क्यों मारी इसका कारण पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस से मुठभेड़ में टिल्लू गैंग का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रोहिणी से टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शूटर को पकड़ा है। इस शूटर की पहचान सुमित के रुप में हुई है। हत्या के एक मामले में सुमित पैरोल मिलने के बाद भाग गया था। इसके साथ ही अलीपुर पुलिस थाने में दर्ज हत्या के एक और मामले में वह वांछित घोषित है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहिणी पुलिस के विशेष दल के साथ मुठभेड़ के बाद सुमित को गिरफ्तार किया गया है। बता दें खूंखार गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को पिछले साल तिहाड़ जेल के अंदर उसके विरोधी गुटों के सदस्यों ने पीट-पीटकर मार डाला था।

सिवनी में 50 से अधिक सिर कटी गायें मिलीं, ग्रामीण बोले नदी में बहकर भी आ सकती है

सिवनी। जिले में दो स्थानों पर गौवंश के गर्दन कटे शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पिंडरई के पास वैनगंगा नदी में 19 गौवंश के शव मिले हैं। वहीं धूमा क्षेत्र में लगभग 32 गौवंश की गर्दन कटी मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस ने जानवरों के डॉक्टर को मौके पर बुलाकर मृत गायों के शवों का परीक्षण करवाया है। मौके पर ही शव दफना दिए गए। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किन लोगों ने ऐसा किया है। इस मामले में क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस तरह की घटना उनके क्षेत्र में पहली बार हुई है। गांव के लोगों के अनुसार आसपास के गांव से मवेशियों के शव नदी में बहकर आए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि इस मामले में पुलिस प्रशासन को जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि पुलिस मवेशी तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पूरे जिले में मवेशी तस्करों पर नजर रखने के साथ मवेशियों का अवैध रूप से परिवहन करने वालों को पकड़ा जा रहा है। संभावना है कि मवेशी तस्करी करने वाले तस्करों ने पकड़े जाने के डर से मवेशियों को नदी में बहाया हो। इस मामले में हर पहलू पर नजर रख सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना में शामिल आरोपितों का पता लगाकर उन्हें पकड़ा जाएगा। जानकारी मिलते ही धनौरा व पलारी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। धूमा थाना क्षेत्र लगभग 32 गायों की गर्दन का कुछ भाग काट कर जंगल मे फेंक दी गई थी। पुलिस ने समस्त गायों को दफनाकर जांच कार्यवाही शुरू कर दी है।वैनगंगा नदी में गायों के शव को निकालने के लिए नदी में जेसीबी उतारने का प्रयास किया गया, लेकिन नदी में जेसीबी मशीन नीचे नहीं आ सकी। इसके बाद गांव के लोगों की मदद से नदी में मृत मिले मवेशियों के शव को रस्सी से बांध कर बाहर निकालने का काम देर शाम तक जारी रहा। अंधेरा होने तक मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस के साथ गांव के लोग मौजूद रहे। वहीं पशु डॉक्टर को भी मौके पर बुलाकर नदी से निकाले गए मवेशियों के शव को पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें दफना दिया गया।

एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा... पेपर लीक नहीं रोक पा रहे : राहुल गांधी

हमें पुरानी व्यवस्था बहाल करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने नीट यूजी 2024 और यूजीसी नेट 2024 परीक्षाओं में गड़बडी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उन्होंने इजरायल, गाजा और रूस यूक्रेन की जंग रोक दी, लेकिन वे पेपर लीक नहीं रोक सके। उन्होंने कहा कि देश के एजुकेशन सिस्टम को सुनियोजित तरीके से कब्जे में कर लिया गया है। इस पर रोक लगानी होगा। हमें पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल करनी होगी।

राहुल गांधी ने कहा, जिन लोगों ने भी पेपर लीक किया है, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पेपर लीक से पहले हमें सिस्टम की जांच करनी होगी। युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ है। नीट के पेपर लीक हुए हैं। यूजीसी नेट के पेपर में धांधली हुई है, सबकी जांच होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद सत्र शुरू हो रहा है, यह मुद्दा संसद में भी उठाएंगे। मध्य प्रदेश के व्यापमं का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में ऐसा ही तंत्र बनाने की कोशिश हो रही है। हम लोगों को

इस तंत्र को खत्म करना होगा।

राहुल गांधी ने कहा, पेपर लीक राष्ट्र विरोधी गतिविधि है। मोदी सरकार इस गड़बड़ी पर रोक नहीं लगा पा रही है। हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है। इससे मेहनती छात्रों के साथ धोखा हुआ है। देश के शिक्षा तंत्र पर बीजेपी के लोगों का कब्जा है। जब राहुल गांधी से पूछा गया कि बिहार में कुछ लोगों पर आरोप लगे हैं कि वे पेपर लीक में शामिल हैं, इस पर आपका क्या कहना है? जवाब में राहुल गांधी ने कहा, जांच होनी चाहिए। जो भी शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एजेंसी एनटीए को खत्म करने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, ईमानदार लोगों को काम दिया जाएगा, तब पेपर लीक नहीं होगा। मोदी सरकार बेरोजगारी की समस्या के समाधान में विफल रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का मोदी सरकार पर हमला

परीक्षा रद्द करने पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और ढिलाई युवाओं के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में घोटाले की खबर के बाद अब 18 जून को हुई नेट परीक्षा भी अनियमितताओं के डर से रद्द की गई है। क्या अब जवाबदेही तय हो जाएगी? क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस ढिलाई की जिम्मेदारी लेंगे? केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर चल रहे विवाद के बीच यूजीसी-नेट को रद्द करने का आदेश देकर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

बिहार प्रदेश अध्यक्ष सिंह का बयान... असली हीरो राहुल गांधी

पटना । कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। केक कटकर राहुल गांधी की तस्वीर को केक खिलाया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि राहुल सक्षम हैं और उन्होंने इस बात को साबित किया है। साल 2024 की सफलता इसी कहानी को बयां करती है। उन्होंने कहा कि हमारी ख्वाहिश है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनें। उन्हें पीएम बनने से कोई रोक नहीं सकता। एक दिन वे निश्चित रुप से पीएम बनने वाले है। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जोड़-तोड़ से पीएम बन गए, लेकिन असली हीरो राहुल गांधी हैं। हमें विश्वास है कि कांग्रेस की खोई गरिमा और प्रतिष्ठा को वे फिर से बहाल करने वाले हैं। प्रधानमंत्री के नालंदा यूनिवर्सिटी पहुंचने पर कांग्रेस नेता अखिलेश ने कहा कि पीएम के साथ मंच पर नीतीश कुमार हैं। क्या हुआ पटना यूनिवर्सिटी के केंद्रीय विश्वविद्यालय के दर्जे का? नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मांग की थी। उन्होंने सवाल किया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब मिलेगा?

इस साल मई तक अमरावती में किसानों ने की सबसे ज्यादा आत्महत्या

-सरकारी आंकड़े जारी, पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने लगाया मौत को गले

नागपुर (एजेंसी)। देशभर के किसान अपनी मांगों को लेकर आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहते हैं। कई किसानों ने तो आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया है। वहीं किसानों की आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र ने यवतमाल को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले कुछ सालों में कपास उत्पादक यवतमाल जिला महाराष्ट्र में नंबर वन पर जाना जाता रहा है। अब यवतमाल की जगह अमरावती जिले ने ले ली है। महाराष्ट्र के अमरावती में किसानों की आत्महत्या करने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। यहां जो आंकड़े सामने आए हैं वह डरावने हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसानों ने आत्महत्या अमरावती टॉप पर है। यवतमाल की सीमा से लगा अमरावती कपास और सोयाबीन का उत्पादक क्षेत्र है। प्रसिद्ध नागपुर संतरे की खेती भी यहीं होती है। इस साल मई 2024 तक अमरावती में 143 किसानों ने आत्महत्या की है। यह आंकड़े महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी किए गए हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने आत्महत्या की है।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के मामले में दूसरे नंबर पर यवतमाल है। हालांकि दोनों जिलों में किसानों की आंत्महत्या के आंकड़ों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। मई 2024 तक 132 आत्महत्याएं दर्ज की गई हैं। जून के आंकड़े अभी संकलित किए जाने बाकी हैं। अमरावती ने 2021 से आत्महत्या के मामले में यवतमाल को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में यवतमानल में 370 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2022 में 349 और 2023 में 323 किसानों ने आत्महत्या की। यवतमाल में 2021 से 2023 तक यह संख्या 290, 291 और 302 तक थी।

महाराष्ट्र सरकार की टास्क फोर्स के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबन मिशन के पूर्व अध्यक्ष किशोर तिवारी ने इस पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमरावती में स्थिति विशेष रूप से कठिन है। किसानों ने सोयाबीन की खेती की और उपज में उल्लेखनीय गिरावट देखी। पिछले साल दरें गिरकर चार हजार रुपए प्रति क्विंटल हो गईं। बैंकिंग ऋण की कमी के चलते लोग छोटी वित्त कंपनियों या साहूकारों पर निर्भर हैं और उन्हें कठोर वसूली का सामना करना पड़ता है। 2001 से राज्य सरकार विदर्भ के छह जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढाणा और वर्धा में किसानों की आत्महत्याओं का डेटा रख रही है। दो दशकों में इन जिलों में 22,000 से ज़्यादा आत्महत्याएं हुई हैं।

आत्महत्याओं को उन किसानों के बीच विभाजित किया जाता है जो राज्य सरकार से एक लाख रुपए के मुआवजे के पात्र हैं और जो नहीं हैं। जिला स्तरीय समिति यह जांच करती है कि आत्महत्या कृषि संकट या अन्य कारणों से हुई है या नहीं। मुआवजे के लिए पात्र होने के लिए, पीड़ित को ऋण, वसूली दबाव, फसल की विफलता और खेती से संबंधित अन्य संकटों का सामना करना पड़ा होगा। अमरावती में मई तक दर्ज 143 आत्महत्याओं में से 33 में कृषि संकट का मामला दर्ज है। दस मामले खारिज कर दिए गए हैं और 100 की जांच चल रही है। यवतमाल में मई तक 132 आत्महत्याओं में से 34 में कृषि संकट को आधिकारिक कारण बताया गया है। 66 मामलों की जांच चल रही है और जिला प्रशासन ने 32 को खारिज कर दिया है।

शिंदे गुट ने की 100 सीटों की मांग... टेंशन में भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। इस बात को लेकर मंथन का दौर जारी है। इतना ही नहीं महायुति में अजित पवार की एनसीपी के साथ तनाव की स्थिति बन गई है। इस बीच विधानसभा चुनाव भी 4 महीने के अंदर होने हैं, इसके लिए दबाव की राजनीति शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना गुट ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए 100 सीटों की मांग रख दी है। पार्टी के सीनियर नेता रामदास कदम ने कहा कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा की 288 सीट में से करीब 100 पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए।

शिवसेना एनडीए गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल है। राज्य में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्व मंत्री कदम ने शिंदे गुट द्वारा आयोजित अविभाजित शिवसेना के 58वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा, हमें लड़ने के लिए 100 सीट मिलनी चाहिए और हम उसमें से 90 पर जीत सुनिश्चित करने वाले हैं। वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा था कि उनकी पार्टी को राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीट मिलनी चाहिए।

वहीं एनसीपी के दावों पर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जवाब देकर कहा था कि राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। फडणवीस ने कहा था कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और राज्य में होने वाले चुनाव में ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ेगी। फडणवीस ने हालांकि कहा कि तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही सीट बंटवारे पर फैसला होगा। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को महज 9 सीटें मिलने के बाद उसकी स्थिति गठबंधन में कमजोर होगी। इसकारण भाजपा को साथी दलों का दबाव सहना पड़ेगा।

हालांकि एक चर्चा यह हैं, कि भाजपा अजित की एनसीपी का साथ छोड़कर चुनाव में उतर सकती है। लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट का प्रदर्शन अच्छा था। इस कारण भाजपा शिंदे गुट को साथ लेकर चलाना चाहेगी। एक वजह यह भी है कि शिंदे सेना के साथ उसकी वैचारिक समानता है, जबकि अजित के साथ स्थिति थोड़ा उलट है। बता दें कि संघ के नेताओं ने भी अजित पवार के साथ गठजोड़ पर सवाल उठाया था और लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों के लिए जिम्मेदार बताया था।

भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों में दीपिका, कियारा और आलिया

मुंबई (एजेंसी)। वित्तीय और जोखिम सलाहकार फर्म क्रॉल की नई रिपोर्ट में भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की शीर्ष रैंक में बदलाव हुआ है। अभिनेत्री आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची 2023 में अपनी जगह बनाने वाली शीर्ष तीन अभिनेत्रियाँ बनी हैं। रिपोर्ट में आलिया भट्ट को 101.1 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें स्थान पर और दीपिका को 96 मिलियन के साथ छठे स्थान पर दिखाया गया है। दोनों अभिनेत्रियों की 2022 की रैंकिंग में मामूली गिरावट आई है। हालांकि, सबसे बड़ा बदलाव ये हैं कि कियारा आडवाणी, जो 2022 में 16वें स्थान पर थीं, 2023 में 60 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ 12वें स्थान पर पहुँच गईं। यह प्रभावशाली वृद्धि भारतीय बाजार में

उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। रिपोर्ट में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट ट्रेंड्स पर भी चर्चा की गई है। इसमें पाया गया कि पिछले साल शीर्ष 25 हस्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों में 300 से अधिक ब्रांडों का समर्थन किया, जिसमें टीवी और डिजिटल दोनों तरह के विज्ञापनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुल मिलाकर, क्रॉल रिपोर्ट एक गतिशील भारतीय सेलिब्रिटी परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है, जिसमें आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी जैसे स्थापित सितारे अपनी पहचान बना रहे हैं।

हनीट्रैप में फंसे युवक पर दागी 40 गोलियां, तिहाड़ प्रशासन पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजौरी गार्डन के एक मशहूर रेस्तरां में देर रात युवती के साथ बैठे एक युवक को दो बदमाशों ने 40 से ज्यादा गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के वक्त रेस्तरां स्टाफ सहित कई लोग मौजूद थे। गोलियां चलते ही सभी लोग टेबल के नीचे घुस गए और अपनी जान बचाई। घटना के बाद आरोपी पिस्तौल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। बाद में युवक के साथ बैठी युवती भी उसका मोबाइल और पर्स लेकर वहां से चली गई। पुलिस मामला दर्ज कर दोनों बदमाश और युवती की तलाश कर रही है। पुलिस पूरे मामले में युवती की भूमिका को संदिग्ध मान रही है और आशंका जता रही है कि अमन को हनी ट्रैप में फंसाया गया था। युवती के इशारा करने के बाद ही दोनों शूटरों ने अमन पर फायरिंग शुरू कर दी। अमन की हत्या के बाद एक बार फिर तिहाड़ जेल प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

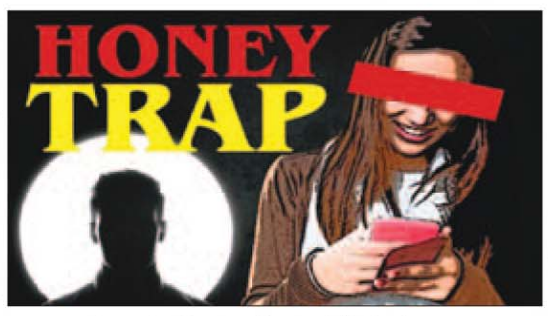

कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना तिहाड़ जेल के अतिसुरक्षित वार्ड में बंद है। नीरज को सुरक्षा के मद्देनज़र अकेला रखा गया है और उसके पास किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। अमन की हत्या में नीरज की भूमिका सामने आ रही है। हिमांशु भाऊ गैंग ने नीरज के कहने पर ही हत्या को अंजाम दिया है। सूत्रों ने बताया कि अमन की हत्या के लिए नीरज बवाना ने जेल से ही 2021 में भी प्लानिंग की थी। हमले के दौरान अमन के साथ उसका दोस्त और प्रधान गैंग का शूटर काला पहलवान मौजूद था। उस हमले में अमन बच गया था और काला मारा गया था।हिमांशु भाऊ गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हिमांशु भाऊ ने पोस्ट में लिखा कि राजौरी गार्डन के रेस्तरां में हुई हत्या की जिम्मेदारी मैं और नवीन बाली भाई लेते हैं। अमन ने नीरज बवानिया के रिश्तेदार की 2020 में हुई हत्या में मुखबिरी की थी, जिसका बदला लिया गया है। हिमांशु भाऊ ने आगे लिखा कि जो भी बाकी रह गया है उसका नंबर भी जल्द आएगा।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि फाइनेंस का काम करने वाला अमन अपने परिवार के साथ हरियाणा के झज्जर में रहता था। रेस्तरां में युवती पहुंची और उसने अमन को फोन कर बुलाया। अमन के रेस्तरां पहुंचने के कुछ ही देर बाद भाऊ गैंग के दो शूटर वहां पहुंचे। दोनों ने अपना ऑर्डर दिया और फिर बर्गर लेकर अमन के पीछे वाली सीट पर जाकर बैठ गए। इसके बाद आरोपियों ने अपनी प्लेट टेबल पर रखी और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान अमन को करीब 40 गोलियां लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब सात मिनट तक रेस्तरां में फायरिंग की आवाज गूंजती रही। वारदात के दौरान युवती वहां से हट गई थी। इधर, अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू होते ही रेस्तरां में चीख पुकार मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। वहां मौजूद ग्राहक के साथ ही कर्मचारी भी अपनी जान बचाने के लिए टेबल के नीचे छिप गए।

जाने क्यों तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण... बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा को ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट ने बिहार की नीतीश सरकार को बड़ा झटका दिया है। पटना की अदालत ने 65 फीसदी के जातिगत आरक्षण को खारिज किया है। अदालत के फैसले के बाद नीतीश सरकार के आगे ओबीसी और अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को साधने की चुनौती है। इन वर्गों को जातिगत सर्वे कराने का बाद बढ़ा हुआ आरक्षण दिया गया था। हालांकि बिहार ऐसा पहला राज्य नहीं है, जहां इस तरह से आरक्षण की लिमिट बढ़ाने की कोशिश को अदालत से झटका लगा है। बिहार से पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ऐसा हुआ है।

फिर भी एक राज्य तमिलनाडु ऐसा है, जो अपवाद है। यहां 69 फीसदी आरक्षण बीते करीब 35 सालों से जारी है। दरअसल वर्ष 1992 के ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने इंदिरा साहनी मामले में जातिगत आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट तय की थी। अब यह सवाल उठता है कि फिर तमिलनाडु में क्यों 69 फीसदी का जातीय आरक्षण मिल रहा है। दरअसल इसके लिए 50 साल पीछे जाना होगा है। वर्ष 1971 तक तमिलनाडु में 41 फीसदी आरक्षण था। फिर जब अन्नादुरई के निधन के बाद करुणानिधि सीएम बने, तब उन्होंने सत्तानाथ आयोग का गठन किया। इस आयोग की सिफारिश पर उन्होंने 25 फीसदी ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 31 कर दिया। इसके अलावा एससी-एसटी के कोटे को 16 से बढ़ाकर 18 किया गया। इस तरह राज्य में कुल जातीय आरक्षण बढ़कर 49 फीसदी हो गया। इसके बाद 1980 में आई एआईएडीएमके सरकार ने पिछड़ा वर्ग का कोटा बढ़ाकर 50 फीसदी किया। एससी-एसटी का 18 प्रतिशत था ही। इस तरह कुल आरक्षण राज्य में 68 प्रतिशत हो गया। इसके बाद 1989 में करुणानिधि की जब सरकार आई, तब कोटे में ही 20 फीसदी आरक्षण अति पिछड़ा के लिए अलग से दिया गया। इसके बाद 1990 में मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के बाद 18 फीसदी एससी आरक्षण के अलावा एसटी कोटा 1 फीसदी अलग से दिया गया। इस तरह कुल कोटा तमिलनाडू में बढ़कर 69 फीसदी हो गया। इसके बाद 1992 में सुप्रीम कोर्ट से इंदिरा साहनी केस में फैसला आया। इसमें कहा गया कि जातिगत आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं हो सकता। अदालत ने संविधान के आर्टिकल 16(4) का जिक्र कर यह आदेश दिया। इसके बाद जब 1993-94 में शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले की बारी आई, तब की जयललिता सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस साल पुराने आरक्षण से एडमिशन ले सकते हैं, लेकिन अगले सत्र से 50 फीसदी लिमिट का नियम मानना होगा। इस पर जयललिता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। यहां भी जयललिता

सरकार झटका लगा था।

अदालत से झटके पर जयललिता सरकार ने नवंबर 1993 में विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाकर प्रस्ताव पारित हुआ था। फिर इस प्रस्ताव को लेकर वह तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के पास गई थीं। तब राव सरकार ने तमिलनाडु वाले आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दिया था। दरअसल यहां मसला यह है कि नौवीं अनुसूची में शामिल विषयों की अदालत में समीक्षा नहीं की जा सकती। इस तरह तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण निर्बाध चला रहा है।